सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता

माँ दुर्गा ज्वेलर्स

उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है

शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई

मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

श्री CONSULTANCY

Confused after NEET Get Help

Fulfill your Dream of Becoming Doctor

Call us for Admission Guidance for 23-24 MD/MS/MBBS & MDS/BDS

- TOP MEDICAL Colleges of INDIA
- Management Quota Seat
- NRI Quota Seat

Get Enrolled (Call/whatsapp)

89599-94444

Laxmi Jewellers, Opp.Tanishq Showroom, Durg (C.G.)

वर्ष- 14 अंक - 268 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 11 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

सीएम बघेल युवाओं से करेंगे सीधे संवाद, सवालों का भी देंगे जवाब भेंट मुलाकात की तर्ज पर जुड़ेंगे

रायपुर। विधानसभावार भेंट-मुलाकात कार्यक्रम पुरा होने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अब प्रदेश के युवाओं से संभागवार सीधे संवाद करेंगे। इस खास आयोजन के दौरान वे युवाओं से उनके मुद्दों, उपलब्धियों और आकांक्षाओं पर बात करेंगे। वे युवाओं के प्रश्नों के जवाब भी देंगे।

छत्तीसगढ़ में राजीव युवा मितान क्लब के गठन से युवा-ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिली है। इन क्लबों के माध्यम से युवा अपने-अपने क्षेत्रों में रचनात्मक कार्य कर रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। संभागस्तरीय आयोजन के दौरान युवा अपने अनुभव साझा करेंगे, ताकि उनके अनुभव का लाभ अन्य लोग भी उठा सकें। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अपनी बात रखेंगे और युवा भी अपनी बात साझा करेंगे। वे मुख्यमंत्री से प्रश्न भी पूछ सकेंगे। कार्यक्रम में सभी वर्ग के युवाओं का प्रतिनिधित्व होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साढ़े चार सालों में युवा हित में अनेक निर्णय लिये हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की फीस माफी के साथ ही राज्य में रोजगार मिशन का संचालन किया जा रहा है। साढ़े चार सालों में बड़े पैमाने पर शासकीय भर्तियां की गई हैं। हाल ही में रोक होने के बाद और लगभग 20 हजार शासकीय पदों भर्तियां की जा रही हैं। रोजगार मेलों का आयोजन कर बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एक लाख 17 हजार से अधिक युवाओं को बेरोजगारी भत्ते की राशि हर महीने प्रदान की जा रही है। अब तक 80 करोड़ रुपए की राशि युवाओं के खाते में अंतरित की जा चुकी है।

संगठन ध्वस्त, कैडर बेजार.. फिर भी हर कोई टिकट का दावेदार

नेताओं ने संगठन को बौना बनाया, समर्थकों के लिए पार्टी से ज्यादा नेता अहम्

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। वरिष्ठ नेताओं के लगातार दौरों के बाद भी भाजपा को आक्सीजन नहीं मिल पा रहा है। स्वयं को कैडरबेस और अनुशासित बताने वाली इस पार्टी की हालत आज यह है कि उसके कार्यकर्ता पार्टी से ज्यादा अपने नेताओं को तवज्जो दे रहे हैं। संगठन पूरी तरह ध्वस्त पड़ा हुआ है। जो थोड़े-बहुत कार्यकर्ता बचे हैं, वे भी पार्टी-संगठन से बेजार (खिन्न) हैं। हास्यास्पद है कि बावजूद इसके पार्टी के भीतर हर कोई स्वयं को टिकट का दावेदार मानता और बताता फिर रहा है।

15 साल तक सत्ता-सुख भोगने वाली भाजपा के स्थानीय नेता अब भी जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। इन नेताओं के लिए पार्टी हाशिए पर है। जमीन छोड़कर आसमान निहारने वाले ये नेता, पार्टी को बुलंदियों पर पहुंचाने के बजाए अपना कद बढ़ाने में लगे रहे है। ठीक यही स्थिति इन

नेताओं के समर्थकों की भी है। वे भी पार्टी के प्रति निष्ठा और समर्पण दिखाने के बजाए अपने नेता को खुश करने में लगे रहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि नेता को खुश कर वे मनोवांछित फल हासिल कर पाएंगे। दरअसल, अपने नेता में किसी समर्थक को भावी सीएम नजर आ रहा है तो किसी को मंत्री या लाभ का पद। कई समर्थक तो टिकट की प्रत्याशा में भी नेता की चाटुकारिता में व्यस्त हैं। फजीहत पार्टी की हो रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को दुर्ग जिले से महज एक सीट मिली थी। जिले के जितने भी कद्दावर नेता हैं, उन्हें इस बात पर मंथन करना चाहिए कि बाकी की सीटों को कैसे कब्जाया जाए? लेकिन इस ओर ध्यान देने के बजाए पार्टी के नेता इस गुणा-भाग में लगे रहते हैं कि दूसरे गुट के व्यक्ति को टिकट न मिल जाए।

वैसे तो दुर्ग जिले में भाजपा के दो सांसद मौजूद हैं। वरिष्ठ नेताओं के लगातार दौरों के बीच इन सांसदों से पूछा जाना चाहिए कि इन्होंने पार्टी की मजबुती के लिए अब तक क्या किया? खासकर तब जबकि प्रद्रेश में पार्टी विपक्ष में है। गुटबाजी को बढ़ावा देकर और बंगलों में बैठकर कार्यकर्ताओं की राजनीति करने से पार्टी का भला तो होने से रहा। इस पर भी अपेक्षाकृत कम अनुभवी और भाजपा की रीति-नीति से कम वास्ता रखने वाले सांसद विजय बघेल को घोषणा-पत्र समिति का संयोजक बनाना तथाकथित बड़े नेताओं के गले नहीं उतर रहा है। माना जाता है कि कांग्रेस को अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता में लाने का श्रेय उसके चुनावी घोषणा-पत्र को जाता है। ऐसे में भाजपा में विजय बघेल को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना बघेल विरोधियों के लिए असहृय है। ऐसे समय में तो और भी ज्यादा, जबकि महत्वाकांक्षाएं सीएम का पद हो।

...इसलिए घटता गया जनाधार

दुर्ग जिले में भाजपा संगठन पर लम्बे समय तक डमी लोगों को बैठाया जाता रहा। जबकि भाजपा में सत्ता से ज्यादा संगठन का महत्व है। पार्टी के नेताओं ने इस बात पर चिंतन भी नहीं किया कि इससे संगठन बुरी तरह बर्बाद हो जाएगा। एक के बाद एक गैर या कम अनुभवी लोगों को दुर्ग और भिलाई में संगठन की कमान सौंपी जाती रही। नतीजा यह निकला कि कैडर ध्वस्त हो गया। कुछ महीनों पहले पार्टी के खस्ताहाल को देखते हुए जितेन्द्र वर्मा को दुर्ग जिला संगठन की जिम्मेदारी दी गई। वर्मा ने अपने स्तर पर संगठन को मजबूती देने की कोशिश की, किन्तु सबको साथ लेकर चलने और कठिन फैसले न ले पाने की वजह से वे भी असहाय हो गए। कमोबेश यही हालत भिलाई जिला संगठन में भी है। यहां पार्टी ने कड़ा फैसला लेते हुए बृजेश बिचपुरिया को संगठन की कमान सौंपी, लेकिन वे भी संगठन में प्राण नहीं फूंक गए। दोनों जिला संगठनों में वर्तमान हालात यह है कि अध्यक्ष का दायित्व संभालने वाले लोग पार्टी के बजाए अपना कद बढ़ाने में लगे हैं। पार्टी संगठन को लगता था कि जितेन्द्र वर्मा और बृजेश बिचपुरिया को जिलाध्यक्ष बनाने से संगठन के दिन बहुरेंगे, किन्तु इन दोनों के अपने-अपने गुट खड़े हो गए। जो कार्यकर्ता सांसदों, विधायक या पूर्व मंत्री के यहां हाजिरी लगाने से परहेज करते थे, अब वे इन जिलाध्यक्षों के प्रति निष्ठावान हो गए हैं। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि चुनावी तैयारियों के बीच पार्टी का संगठन कहां खड़ा है?

संगठन से भी टिकट की दावेदारी

माना जाता रहा है कि पार्टी में यदि किसी को संगठन का दायित्व सौंपा गया है तो वह संगठन के लिए ही काम करेगा। मुख्य रूप से संगठन को इतना मजबूत बनाएगा कि चुनाव के वक्त कार्यकर्ता, प्रत्याशी के लिए दिन-रात एक कर दें। लेकिन यहां भिलाई और दुर्ग दोनों जिला संगठन के प्रमुख स्वयं टिकट के दावेदार बताए जा रहे हैं। चर्चा है कि दोनों जिलाध्यक्षों ने संगठन को अपनी भावी पारी के हिसाब से तैयार किया है। मसलन, दुर्ग जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा पाटन क्षेत्र के रहवासी हैं। वे यहां से विधानसभा टिकट की मांग भी करते रहे हैं। वे इस बार भी टिकट की प्रत्याशा में हैं। इसी तरह भिलाई जिलाध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया वैशाली नगर क्षेत्र से टिकट के आकांक्षी हैं। मजे की बात है कि इन दोनों जिलाध्यक्ष के पास ऐसे लोगों की भीड़ ज्यादा है, जो स्वयं को टिकट का दावेदार मानते हैं। दुर्ग जिलाध्यक्ष के आसपास रहने वाले कई लोग दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण से कतार में हैं। वहीं बिचपुरिया के यहां भी वैशाली नगर और अहिवारा क्षेत्र के कई दावेदार डेरा जमाए हैं। इनमें से ज्यादातर दावेदारों को दोनों सांसदों के यहां उपस्थिति दर्ज कराते भी देखा गया है।

सड़क सुरक्षा पर बनाएं दो मिनट की फिल्म, सरकार देगी ईनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत अब लघु फिल्मों के जरिए भी जन जागरूकता के प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए प्रदेश के क्रिएटिव लोगों को सड़क सुरक्षा पर लघु फिल्म बनाने के लिए सड़क-सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव 2023 के अंतर्गत प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। सड़क सुरक्षा से संबंधित बेस्ट फिल्म बनाने वाले को सरकार द्वारा 80 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा अन्य केटेगरी में भी पुरस्कार निर्धारित हैं।

इन लघु फिल्मों को अलग-अलग केटेगरी में राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ऑनलाइन

पंजीयन 5 जुलाई से शुरू हो चुका है। पंजीयन की अंतिम तिथि 26 जुलाई 2023 निर्धारित है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9040834734, 9479191791 संपर्क किया जा सकता है या लुघ फिल्म प्रविष्टियों के लिए विस्तृत नियम एवं शर्ते छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। इस पूरे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के साथ-साथ पूरे देश में सड़क सहयोग में वृद्धि को बढ़ावा देना है।

इन श्रेणियों में निर्धारित होगी फिल्म

फिल्म का श्रेणी निर्धारण किया गया है। फिल्म छत्तीसगढ़ी, गोंड़ी, हल्बी, धुर्वा, भतरी, दोरली, संबलपुरी, कुडुख, सादरी बैगानी, कमारी, ओरिया, सरगुजिया, दंतेवाड़ा, गोंडी, भुजिया आदि में हिंदी भाषान्तर, उच्चारण के साथ होना चाहिए। किसी भी राष्ट्रीय भारतीय भाषा में हिंदी भाषान्तर, उच्चारण, सबटाइटल के साथ होना चाहिए। फिल्म की अविधि 2 मिनट निर्धारित की गई है। मूल फिल्म पूर्ण HD (1920X1080) प्रारूप या उससे ऊपर की हो सकती है। गलत, अपर्याप्त अस्पष्ट, अपूर्ण विवरण वाले प्रविष्ठियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

एक बार चयन के लिए जमा की गई फिल्म को अंतिम माना जाएगा और जमा करने के बाद किसी भी बदलाव पर विचार नहीं किया जाएगा। फिल्म की कैटेगरी के अनुसार सरकार द्वारा पुरस्कार का निर्धारण भी किया गया है। सर्वश्रेष्ठ फिल्म को 80,000 रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए 25,000 रुपए, सर्वश्रेष्ठ सिनेमॅटोग्राफी के लिए 25,000 व सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-अभिनेत्री के लिए 25,000 रुपए का पुरस्कार निर्धारित किया गया है। यानी बेस्ट फिल्म बनाकर अपनी क्रिएटिविटी दिखाकर सरकार द्वारा निर्धारित पुरस्कार पाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में मितानिनों की बल्ले-बल्ले सरकार ने 2200 रुपए बढ़ाया मानदेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मितानिनों की बल्ले-बल्ले हो गई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करने वाले मितानिनों के हित में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मितनिनों के मानदेय में 2200 रुपए प्रतिमाह वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। मंत्रालय से जारी आदेश के तहत मितानिनों को पूर्व में दी जा रही प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त मितानिन कल्याण योजना के अंतर्गत 2200 रूपए की राशि प्रतिमाह एक अप्रैल 2023 से मानदेय में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस आशय का आदेश सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर स्थित लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से जारी कर दिया गया है।

स्कूल बस और कार में जोरदार टक्कर छह लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुःख

गाजियाबाद (एजेंसी)। तेज रफ्तार कार व स्कूली बस की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई है। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल है। हादसा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की है। मंगलवार की सुबह क्रॉसिंग थाना इलाके में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे के फ्लाईओवर पर स्कूल बस और टीयूवी कार की टक्कर हो गई। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं मृतकों के शवों को मरच्यूरी में रखवाया गया। हादसे पर सीएम योगी ने गहरा दुःख जताया है।

बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार स्कूल बस हादसे की वजह है। स्कूल बस एक्सप्रेस-वे पर गलत दिशा में आ रही थी। कार सवार परिवार मेरठ से दिल्ली की तरफ जा रहा था। इस बीच फ्लाईओवर पर कार और बस की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इसके साथ ही शव कार में फंस गए। गैस कटर से गाड़ी को काटकर शवों को निकाला गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मृतकों की शिनाख्त नरेंद्र यादव(45), अनिता (42), बबिता(38), हिमांशु (12), कर्कित (15), वंशिका (7) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में मृतक नरेंद्र यादव का भाई धर्मेंद्र यादव(42) और उसका बेटा आर्यन (8) गंभीर रूप से घायल हैं। यह परिवार मेरठ के इंचौली के गांव धनपुर के रहने वाला था। हादसे की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुःख प्रकट किया है।

बीसीए के नतीजे और काले कपड़े में विरोध

श्रीकंचनपथ

रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में एनएसयूआई ने काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया। वैसे काला अब विरोध प्रदर्शन या नाराजगी का रंग नहीं रहा है। काला कपड़ा पहनकर अब कोई कोपभवन में नहीं जाता बल्कि यह खूबसूरती को और निखारता है। काला अब युवाओं का फेवरिट कलर है। लगभग सभी युवाओं के पास काले रंग के कपड़े मिल जाएंगे। पहले जहां काले को अशुभ माना जाता था वहीं अब फैशन जागरूक युवाओं को पता है कि काले रंग में न केवल गोरे चिट्टे लोगों को अच्छा कंट्रास्ट मिलता है बल्कि सांवले लोगों का भी रंग साफ लगने लगता है। इसलिए जैसे ही काले कपड़े में प्रदर्शन करने की बात आई, लोग फटाफट तैयार होकर विश्वविद्यालय पहुंच गए। वैसे इस विरोध की वजह भी निराली है। रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (बीसीए) के 80 फीसदी विद्यार्थी या तो फेल हो गए हैं या फिर उन्हें पूरक मिला है। हाल हेमचंद विश्वविद्यालय का भी बहुत अच्छा नहीं है। बीसीए प्रथम वर्ष में यहां भी नतीजे 27-28 प्रतिशत के आसपास ही है। वैसे, जो हाल विद्यार्थियों का है, नतीजे इससे भी बुरे हो सकते थे। पिछले दो दशकों में शिक्षा के स्तर का लगातार ह्रास हुआ है। पूरा का पूरा छत्तीसगढ़ ट्यूशन और कोचिंग माफिया के घेरे में है। कोचिंग संस्थान और गाइड-अनसाल्व्ड छापने वालों का गठजोड़ भी किसी से छिपा नहीं है। सिलेबस से लेकर प्रश्न पत्रों तक की साल-दर-साल एकरूपता ने इस गठबंधन को और ताकतवर बनाया है। विषय पढ़ाने की बजाय केवल परीक्षाओं के लिए तैयार करने का एक ऐसा कुचक्र चल पड़ा है जिसे रोक पाना असंभव सा लग रहा था। 30 या हद से हद 40 फीसद सिलेबस पढ़कर बच्चे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो रहे थे। विषय की गहराई और गंभीरता से उनका कोई वास्ता नहीं रह गया था। शहरी क्षेत्रों के अधिकांश कालेजों में उपस्थिति 10 से 20 प्रतिशत विद्यार्थियों की ही रह गई थी। विद्यार्थियों ने मान लिया था कि 60-70 परसेंट तो वो कैसे भी ले ही आएंगे। इससे विश्वविद्यालयों की साख को भी बट्टा लग रहा था। इसलिए अब पहल हुई है, और सही जगह से हुई है। आप कालेज में पढ़ो या कोचिंग में, डिग्री तो विश्वविद्यालय को ही देना है। इस बार पेंच थोड़ी सी क्या कसी है, लोगों की चीख निकल गई है। लोगों की समझ में आ गया है कि कोचिंग वाले कोई आसमान से नहीं टपके हैं। कालेजों में प्राध्यापक सिलेबस पूरा करवाते हैं जबकि कोचिंग वाले केवल परीक्षा में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों को रटाते हैं और ऐसा लगने लगता है कि कोचिंग वाले फन्ने-खां हैं। यह एक गलत परिपाटी थी जिसकी तरफ से विश्वविद्यालयों की अकादमिक काउंसिलों ने आंखें मूंद रखी थी। किसी भी विषय के अध्ययन में सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों पक्ष समान रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। विद्यार्थियों को भी इसे समझना होगा और अपनी प्राथमिकताएं तय करनी होंगी।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

आमंत्रण

सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्र महाभिषेक

शंकर प्रिय मम द्रोही,
सिव द्रोही मम दास।
ते नर करहिं कलप भरि,
घोर नरक महुँ बास॥

मान्यवर,

अत्यन्त ही हर्ष के साथ आप सभी नगर वासियों को सूचित किया जा रहा है कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बाबा भोले नाथ की कृपा से **सवा लाख पार्थिव शिवलिंग** का निर्माण किया जा रहा है। अत: सभी श्रद्धालु भक्तों से विनम्र निवेदन है **पार्थिव शिवलिंग निर्माण** करने में सहयोग देकर पुण्य के भागीदार बनें।

धन्यवाद !

कार्यक्रम

दिनांक 9 जुलाई 2023, दिन रविवार प्रात: 8 बजे से
विशाल कलश यात्रा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण
दिनांक 10 जुलाई 2023, दिन सोमवार
सवालाख बेलपत्र में सीता राम लेखन!

दिनांक 11 जुलाई 2023, दिन मंगलवार प्रात: 10 बजे से
रूद्राभिषेक एवं श्रृंगार तत्पश्चात
महा आरती, महाप्रसाद
दिनांक 12 जुलाई 2023, दिन बुधवार प्रात: 9 बजे विसर्जन

स्थान - श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर (शत्रुहन्ता)
सेक्टर-6, सी- मार्केट, भिलाई नगर (छ.ग.)

संपादकीय

क्या हम सचेत हैं

उत्तर भारत के करीब सात राज्यों में रविवार को सावन की बारिश ने कीर्तिमान बना दिया। सोमवार को भी भारी बारिश की आशंका से लोग सहमे रहे। दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के अनेक हिस्सों में भारी जलभराव देखा गया है। यह बहुत दुखद है कि तीस से ज्यादा लोगों की जान गई है और अनेक लोग घायल हुए हैं। उत्तर भारत में अनेक इलाके हैं, जहां एक बड़ी आबादी को बचाव के लिए घर छोड़ना पड़ा है। तीन सौ से अधिक स्थानों पर परिवहन रोकना पड़ा है। प्रधानमंत्री सहित पांच से भी अधिक सुबों के मुख्यमंत्रियों ने लोगों को सावधान रहने के लिए कहा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तो अपने राज्य में लोगों को घर से न निकलने की सलाह दी है। इन राज्यों में जगह-जगह तालाब, नाले, नदियां उफान पर हैं। जाहिर है, बिजली आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश में कई जगह तबाही का मंजर है, जहां दुर्भाग्य से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। आने वाले दिनों में भी कहीं पर बाढ़ का भय है, तो कहीं भूस्खलन की आशंका बनी रहेगी, लेकिन क्या हम पूरे सचेत हैं? रविवार की बारिश को आने वाले अनेक वर्षों तक याद किया जाएगा, राजधानी दिल्ली में तो बारिश ने 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अनुमान है, जुलाई भर की बारिश से कहीं ज्यादा एक दिन में ही दर्ज हो गई। राष्ट्रीय राजधानी की अनेक प्रमुख सड़कों और कॉलोनियों में भी जलभराव ने जीवन संकट में डाल दिया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूल-कॉलेजों को बंद करना पड़ा है। हरियाणा में बांध के लबालब होने से यमुना में पानी छोड़ना पड़ा। अब दिल्ली में यमुना किनारे बसे लोगों को कहीं दूसरी जगह ले जाने की कवायद चल रही है। यह बहुत चिंता की बात है कि राजधानी दिल्ली में पचास से भी अधिक स्थानों पर लोगों को किसी तरह के नुकसान से बचाने के लिए यातायात रोकना पड़ा है। डूबने और बचने की कहानियों और फोटो से अखबार भरे हुए हैं, लेकिन इन कहानियों को हम कब तक दोहराते रहेंगे? यह प्रभावित राज्यों के लिए समन्वय का अवसर है और केंद्र सरकार को भी राज्यों की पूरी मदद करनी चाहिए। मानसून के समय में बाढ़ और जलभराव की समस्या समय के साथ बढ़ती चली जा रही है। सोचने वाली बात है कि जिस देश ने बिपरजॉय जैसे समुद्री तूफान को आसानी से झेल लिया, वह दो दिन की बारिश में ही मुश्किल में पड़ गया। आखिर ऐसा क्यों हुआ? लगता है, भारी बारिश का अनुमान पहले से था, मगर ज्यादातर लोगों ने गौर नहीं किया। इसके अलावा, लोग उन इलाकों को भी अब भूलने लगे हैं, जहां थोड़ी बारिश भी बड़ी समस्या पैदा कर देती है। हम अपने गांव, शहर के निचले इलाकों को क्यों भूल जाते हैं? हम यह मानकर चलते हैं कि बारिश साल भर में बमुश्किल दस-पंद्रह दिन की समस्या है, तो उससे बचने के खास इंतजाम पर क्यों अलग से खर्च किए जाएं? इसमें कोई शक नहीं है कि बारिश को हल्के में लिया जा रहा है और इसीलिए यह हमारे लिए समस्या बन जा रही है। ऐसा अक्सर देखा गया है कि स्थानीय प्रशासन परेशानी के दिनों में आंखें मूंद लेता है और जब पानी उतरता है, तो लोग ही भूल जाते हैं। शहरों में जानलेवा जलभराव हमारी मिलीभगत का नतीजा है। आज पानी से त्रस्त इलाकों के लिए यह अपनी कमियों को अपनी व्यवस्था से बाहर उलीच फेंकने का समय है।

> अब दिल्ली में यमुना किनारे बसे लोगों को कहीं दूसरी जगह ले जाने की कवायद चल रही है। यह बहुत चिंता की बात है कि राजधानी दिल्ली में पचास से भी अधिक स्थानों पर लोगों को किसी तरह के नुकसान से बचाने के लिए यातायात रोकना पड़ा है। डूबने और बचने की कहानियों और फोटो से अखबार भरे हुए हैं, लेकिन इन कहानियों को हम कब तक दोहराते रहेंगे? यह प्रभावित राज्यों के लिए समन्वय का अवसर है और केंद्र सरकार को भी राज्यों की पूरी मदद करनी चाहिए।

> इस कचरे में प्लास्टिक भी शामिल है। अब यह मान लेना हमारा भोलापन ही होगा कि प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद हो सकता है। चूंकि यह हमारे जीवन में रच-बस चुका है, इसलिए हमें यह व्यवस्था करनी ही होगी कि हम सूखे कचरे को अलग-अलग बांटकर उसका निस्तारण करें।

बारिश में डूबने से कैसे बचेंगे शहर

के के पांडेय, प्रोफेसर, अर्बन मैनेजमेंट, आईआईपीए

रिकॉर्डतोड़ मानसूनी बारिश ने उत्तर भारत को हलकान कर दिया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित हिंदी पट्टी के तमाम राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। पहाड़ों पर तो भू-स्खलन की घटनाएं भी हो रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, भारी बारिश की यह प्रवृत्ति अब बदलने वाली नहीं है। यह जलवायु परिवर्तन का असर है कि अब हम बार-बार मौसम की चरम अवस्था के गवाह बनने को अभिशप्त हैं। अब बारिश का पानी शहरों, विशेषकर महानगरों को ज्यादा डुबोने लगा है। इसकी वजह है। इन बड़े शहरों में जल-निकासी की व्यवस्था पंगु बना दी गई है। इससे बारिश का पानी ठहर जाता है। ऐसे में, यातायात में तो रुकावट आती ही है, बीमारियां फैलती हैं। झुग्गियों या कम आय वाले लोगों के रिहाइशी इलाके अधिक प्रभावित होते हैं और इन सबसे अधिक, लोगों की उत्पादकता घटने लगती है। ऐसा नहीं है कि छोटे शहर इन सबसे महफूज हैं। वहां भी पर्याप्त कुव्यवस्था है, लेकिन आर्थिक गतिविधियों का तुलनात्मक रूप से कम होना उनके पक्ष में जाता है।

बरसात में शहरों में बाढ़ जैसे हालात बनने के पांच बड़े कारण हैं। पहला, गैर-कानूनी व बेतरतीब निर्माण-कार्य। इसमें शहरों के बाहरी हिस्सों में बनी अवैध कॉलोनियां भी शामिल हैं, जहां सड़क, नाली, सीवर आदि की समुचित व्यवस्था नहीं होती, जिसके कारण वहां पानी ठहर जाता है। इससे शहर के दूसरे हिस्से भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं। दूसरी वजह है, शहरी नियोजन में प्राकृतिक जल-निकासी के मार्ग की अनदेखी। बेंगलुरु इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां कभी पिनाकिनी नदी वर्षा-जल को खुद में समा लेती थी, वहां सड़कों और कॉलोनियों का जाल इस कदर फैला कि यह नदी सिमटती चली गई। नतीजतन, तकनीकी रूप से समृद्ध यह शहर अब मामूली बारिश में भी बेबस सा नजर आता है। तीसरी समस्या सीवर ओवरफ्लो की है। कई जगह सीवर व सीवेज निस्तारण वाले स्थान के स्तर में असमानता होती है। राजधानी दिल्ली में ही आईटीओ पर सीवर का गंदा पानी और वर्षा-जल मिलकर पुलिस मुख्यालय से लेकर रिंग रोड को जलमग्न कर देता है।

चौथी वजह है, कूड़े का अनियोजित निस्तारण। इस समस्या के दो पहलू हैं। पहला, हमें सामान्य सूखे कचरे का उचित प्रबंधन करना होगा। इस कचरे में प्लास्टिक भी शामिल है। अब यह मान लेना हमारा भोलापन ही होगा कि प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद हो सकता है। चूंकि यह हमारे जीवन में रच-बस चुका है, इसलिए हमें यह व्यवस्था करनी ही होगी कि हम सूखे कचरे को अलग-अलग बांटकर उसका निस्तारण करें। इसका दूसरा पहलू मकानों का मलबा है, जिसे सीऐंडडी (कंस्ट्रक्शन ऐंड डेमोलिशन) कूड़ा कहते हैं, यानी मकानों के निर्माण-कार्य, मरम्मत, तोड़-फोड़ आदि से निकलने वाला मलबा। बड़े-बड़े शहरों में भी इसका ठीक से निस्तारण नहीं होता और नदियों या तालाबों के किनारे इसे डाल दिया जाता है। पांचवां कारण है, बरसाती पानी की नालियों, यानी 'स्टॉर्म वाटर ड्रेन' का अभाव। दिल्ली, गुरुग्राम में ही कई हिस्सों में ऐसी नालियां न होने से सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। चूंकि अब तमाम महानगरों में जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक वर्षा होने लगी है, इसलिए हमें 'स्टॉर्म वाटर ड्रेन' की तरफ पर्याप्त ध्यान देना होगा।

जाहिर है, जब हम समस्या की जड़ तक पहुंच जाएंगे, तो उसका समाधान हमारे लिए आसान हो जाएगा। बस इसके लिए हमें ठोस रणनीति बनानी होगी। मसलन, शहरों के लिए जल-निकासी योजना बनाना। इसका अब भी हमारे देश में खासा अभाव है। इस तरह, सीऐंडडी कूड़े के निस्तारण संबंधी नियमों का पालन भी आवश्यक है। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में यह काम शुरू हुआ है, और इसी तरह की एक व्यवस्था बेंगलुरु में भी है। हमें इसका विस्तार करना होगा, ताकि नदियों, तालाबों या झीलों की जमीनें बाधित होने से बच सकेंगी और प्राकृतिक जल-निकासी सुनिश्चित हो सकेगी।

एक उपाय घर से निकलने वाले कचरे का नियोजित निस्तारण भी है। रसोई के कचरे और सूखे कचरे को हमें अलग-अलग बांटना होगा। अगर हम ऐसा कर सकें, तो पांच से दस प्रतिशत कचरा ही डंपिंग ग्राउंड तक जाएगा। बेंगलुरु देश का इकलौता शहर है, जहां 56 प्रतिशत कचरा विकेंद्रीकृत करके निस्तारित किया जाता है, जबकि दिल्ली में इससे कम कचरा विकेंद्रीकृत कर निस्तारित किया जाता है। जापान में तो 90 प्रतिशत से अधिक कचरा डंपिंग ग्राउंड नहीं जाता। वहां इसे एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। अपने देश में भी ऐसा हो सकता है। इसे 'सर्कुलर इकोनॉमी' कहते हैं। 'सर्कुलर इकोनॉमी' का अर्थ है, ऐसी अर्थव्यवस्था, जिसमें उत्पादों को नया रूप देकर उसे फिर से इस्तेमाल योग्य बनाना। इसके लिए पर्यावरण-हितैषी तरीकों का उपयोग होता है। अच्छी बात है, सरकारें इस पर ध्यान देने लगी हैं। केंद्र सरकार ने इसे 'मिशन लाइफ' में भी शामिल किया है। सड़कों की मरम्मत भी जलभराव की समस्या का एक प्रमुख समाधान है। इसके लिए 'सेफ्टी ऑडिट' की दरकार है, जिसमें देखा जाता है कि पानी नालियों में जा रहा है या नहीं, कहीं कूड़ा तो इकट्ठा नहीं हो रहा, फुटपाथ सही से बना है अथवा नहीं आदि। सड़कों की बेहतरी के लिए ऐसे तमाम पहलुओं पर गौर करना होगा।

इन सबके अलावा, एक बड़ा सवाल पुराने शहरों से जुड़ा है कि वहां की सघन बसावट के नियोजन का काम कैसे हो? इसके लिए हमें 'अर्बन रिनूअल प्लान' अपनाना होगा। इसमें नए सिरे से निर्माण-कार्य किए जाते हैं। इसमें या तो नए ढांचे बनाए जाते हैं या पुरानी को तोड़कर नई व्यवस्था बनाई जाती है। इसमें भवनों को गिराने के एवज में मुआवजा देने का प्रावधान भी है, जो जल-निकासी की राह में बाधक होते हैं। ऐसा दूसरे देशों में खूब होता है। यह प्रावधान अनियोजित बसी कॉलोनियों पर भी कारगर है। अपने देश में 'अमृत मिशन' में इसे शामिल किया गया है। स्मार्ट सिटी के तहत भी कुछ हद तक यह व्यवस्था की गई है।

देखा जाए, तो समस्या बारिश नहीं है, मुश्किलों की जड़ है, वर्षा-जल का उचित प्रबंधन न कर पाना। कई योजनाओं में इस बाबत प्रावधान किए गए हैं, लेकिन हमें अब इसके लिए अलग से अभियान चलाना होगा, जिसमें सिर्फ बारिश के पानी से निपटने पर बात हो। उम्मीद है, सरकारें इस तरफ जल्द ध्यान देंगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हमेशा गलत नहीं होती प्याज और टमाटर की जमाखोरी

विद्या महांबारे, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, जीएलआईएम

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 30 जून को एक अजीब-सी लगने वाली प्रतियोगिता की घोषणा की, टमाटर ग्रैंड चैलेंज हैकथॉन। पिछले साल, प्याज ग्रैंड चैलेंज थी। दोनों ही कीमतों में तेज वृद्धि के बाद आई थी। इनका मकसद उचित कीमतों पर टमाटर और प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

मैंने हाल ही में अपने छात्रों से अपना वही पुराना प्रश्न पूछा था, क्या आवश्यक वस्तुओं के उत्पादकों को अपनी उपज जमा करने की अनुमति दी जानी चाहिए? लगभग सर्वसम्मत उत्तर हमेशा ही नकारात्मक रहा है। क्यों? क्योंकि धारणा यह है कि आपूर्ति रोकने से कीमत बढ़ती है। हालांकि यह सच है, हम आमतौर पर केवल आधी तस्वीर देखते हैं। कल जो होने की संभावना है, उसे नजरअंदाज कर देते हैं। फलों व सब्जियों की अस्थिर कीमतों की समस्या का समाधान आंशिक रूप से इनकी उपज की जमाखोरी की अनुमति में निहित है। भारत में टमाटर और प्याज खूब उपयोग होता है। इन दोनों उत्पादों में औसत मुद्रास्फीति दर जनवरी 2015 और मई 2023 के बीच लगभग 11.5 प्रतिशत रही है। महंगाई की यह दर सभी खाद्य उत्पादों में सबसे अधिक है। एक आंकड़ा यह भी है कि 2014 के बाद से टमाटर के लिए महीने-दर-महीने कीमतों में सबसे अधिक 138 प्रतिशत और प्याज के लिए 59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कीमतें बढ़ती हैं, तो आम परिवार का बजट बिगड़ जाता है और घटती हैं, तो किसान संकट में आ जाते हैं। सब्जियां कभी खूब सस्ती, तो कभी खूब महंगी हो जाती हैं। हम इस अंतर को कैसे कम कर सकते हैं? अर्थशास्त्र बताता है कि किसी उत्पाद की मांग और आपूर्ति उसकी कीमत तय करती है। आपूर्ति जब मांग से अधिक हो, तो बाजार में कीमतों में गिरावट का दबाव बनता है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब किसानों ने कीमत में गिरावट से बचने के लिए अपनी अतिरिक्त उपज या फसल को नष्ट कर दिया। क्या किसानों के पास अतिरिक्त उपज के भंडारण की सुविधा नहीं होनी चाहिए?

हाल तक, हम कृषि उपज की जमाखोरी को अवैध मानते थे। आलू, प्याज, टमाटर, तिलहन और दालों के लिए भंडारण सीमा सितंबर 2020 में ही हटा दी गई थी। सामान्य तौर पर आज भी जरूरी वस्तुओं का संग्रह करना अच्छा नहीं माना जाता है। चिंता की बात यह है कि जमाखोरी से आज की कीमतें बढ़ जाती हैं। यह सच है, हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है, जमा की गई उपज को बाद में जब जारी किया जाता है, तो कीमतें कम भी होती हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि जमाखोरी न होने पर आपूर्ति कल की तुलना में अधिक होगी। कुल मिलाकर, जमाखोरी से कीमत की अस्थिरता कम होती है। हमें खाद्य वस्तुओं की कीमतों के बीच कम अंतर से होने वाले फायदों के बारे में जरूर सोचना चाहिए। आखिर, किसान अपनी उपज की जमाखोरी या भंडारण कब करेंगे? वे ऐसा तभी करेंगे, जब उन्हें लगेगा कि कल कीमतें अधिक होंगी और वे बाद में उपज बेचकर लाभ उठा सकते हैं। किसान अधिकतम मुनाफा चाहते हैं, यदि सही कीमत मिले, तो जमाखोरी नहीं करेंगे और यदि अभी सही कीमत न मिले व भविष्य में कीमत बढ़ने की संभावना हो, तो जाहिर है, वे जमाखोरी करेंगे।

अब जबकि भंडारण सीमा हटा दी गई है, जितनी तेजी से हम किसानों के लिए कोल्ड स्टोरेज विकल्प विकसित करेंगे, इन्हें उचित कीमतों पर सुलभ बनाएंगे, और उन्हें यह तय करने की अनुमति देंगे कि उन्हें अपनी उपज बाजार में कब लानी है, यह उत्पादकों और उपभोक्ताओं, दोनों के लिए बेहतर होगा। यह परिवर्तन कृषि क्षेत्र में हमारी सभी समस्याओं का समाधान नहीं करेगा, लेकिन बेहतर मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने में बहुत मदद मिलेगी।

अपने विद्यार्थियों की बात करूं, तो कक्षा में चर्चा के बाद वे इस बात से आश्वस्त थे कि आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए। और जहां तक सरकार के हस्तक्षेप की बात है, जरूरी है कि वह एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए रचनात्मक विचार सामने लाए। इसके तहत कम लागत वाले कोल्ड स्टोरेज भी बनाए जाएं और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को भी तेजी से विकसित किया जाए।

(साथ में प्रवीण कुमार)

सामाजिक न्याय और अधिकारिता की ओर आगे बढ़ना

डॉ वीरेंद्र कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व में, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय समाज में हाशिए पर रहने वाले और वंचित समुदायों, जैसे एससी, ओबीसी, ईबीसी, डीएनटी, ट्रांसजेंडर, वरिष्ठ नागरिक, सफाई कर्मचारी आदि के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले नौ वर्षों में इन समुदायों के लोगों के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण समेत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति देखी जा रही है। पिछले नौ वर्षों में, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा कुछ प्रमुख योजनाएं कार्यान्वित की गयीं हैं।

'भारत में अध्ययन के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों को मैट्रिक के बाद दी जाने वाली छात्रवृत्ति' का उद्देश्य सबसे गरीब घरों के अनुसूचित जाति के छात्रों के सन्दर्भ में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि करना है। 2019-20 के दौरान 11-12वीं में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों का सकल नामांकन अनुपात 52.9त्न था, जो 2020-21 के दौरान बढ़कर 56.1 प्रतिशत और 2021-22 के दौरान 61.5 प्रतिशत हो गया। 2014-15 से अनुसूचित जाति के 4.87 करोड़ से अधिक छात्रों को लगभग 29828.80 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता प्राप्त हुई है। 'अनुसूचित जाति और अन्य के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना', अनुसूचित जाति के उन छात्रों के लिए है, जिनके माता-पिता की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं है। 2019-20 के दौरान 9-10वीं में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों का सकल नामांकन अनुपात 83 प्रतिशत था, जो 2020-21 के दौरान बढ़कर 84.8 प्रतिशत और 2021-22 के दौरान 84.9 प्रतिशत हो गया। 2014-15 से अनुसूचित जाति के 2.31 करोड़ से अधिक छात्रों को 3528.17 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता प्राप्त हुई है। उपलब्धि हासिल करने वाले युवाओं की उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति योजना (श्रेयस) तथा निःशुल्क कोचिंग (एफसीएस) के तहत एससी और ओबीसी के 19995 से अधिक छात्रों को 2014-15 से केंद्रीय सहायता के रूप में 109.79 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। एससी के लिए शीर्ष श्रेणी की छात्रवृत्ति योजना (टीसीएस) के तहत 2014-15 से 21988 से अधिक एससी छात्रों को केंद्रीय सहायता राशि के रूप में 399.15 करोड़ रुपये जारी किए गए। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति योजना (एनओएस) के तहत अनुसूचित जाति, गैर- अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों, भूमिहीन कृषि मजदूरों और पारंपरिक कारीगर श्रेणियों के 950 से अधिक चयनित छात्रों को केंद्रीय सहायता के रूप में 2014-15 से 222.24 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गयी। एससी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप (एनएफएससी) के तहत 2014-15 से 21066 से अधिक छात्रों को केंद्रीय सहायता राशि के रूप में 1628.89 करोड़ रुपये जारी किए गए। लक्षित क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए उच्च विद्यालयों में आवासीय शिक्षा योजना (श्रेष्ठ) के तहत 2014-15 से 3.18 लाख से अधिक छात्रों को केंद्रीय सहायता के रूप में 457.22 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गयी।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-एजेएवाई) का लक्ष्य कौशल विकास, आय-सृजन योजनाओं और अन्य पहलों के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा सृजन करना है। पीएम-एजेएवाई एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसमें 03 पूर्ववर्ती केंद्र प्रायोजित योजनाओं को शामिल किया गया है, जो इस प्रकार हैं - (i) पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना का आदर्श ग्राम घटक, 2022-23 में 11500 अन्य गांवों को भी शामिल किया गया है, 4351 गांवों को पहले ही आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है (ii) अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीए से एससीएसपी) के लिए विशेष केंद्रीय सहायता, वित्तीय सहायता 50,000 रुपये या परियोजना लागत का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, प्रति लाभार्थी या परिवार है (iii) छात्रावास घटक 6पूर्ववर्ती बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (बीजेआरसीवाई)8। पीएम-एजेएवाई योजना के तहत 2023-24 के लिए कुल अनुमानित परिव्यय 2050.00 करोड़ रुपये है।

'राष्ट्रीय यंत्रीतृत स्वच्छता इकोसिस्टम कार्रवाई (नमस्ते)' का उद्देश्य सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों की मौत को रोकने और स्वच्छता कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सफाई कार्यों के मशीनीकरण को बढ़ावा देना है। बैंकों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए 5.00 लाख रुपये तक की पूंजीगत सब्सिडी और ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाती है। हाथों से मैला सफाई करने वाले सफाईकर्मियों के पुनर्वास के लिए स्व-रोज़गार योजना (एसआरएमएस) के एक भाग के रूप में, 2014-15 से ऐसे 22,294 सफाईकर्मियों और उनके आश्रितों को विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकित किया गया है। 508 जिलों ने कर्मियों द्वारा मैला सफाई की प्रथा से स्वयं को मुक्त घोषित कर दिया है।

'अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवाईएवाई)' वरिष्ठ नागरिकों के लिए आश्रय, वित्तीय सुरक्षा, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और मानवीय संपर्क या गरिमापूर्ण जीवन की सुविधा देती है। 2014-15 से 6,67,330 लाभार्थियों को 511.81 करोड़ रुपये वितरित किये गये हैं। 2019-20 से 2022-23 तक वरिष्ठ नागरिकों के लिए राज्य कार्ययोजना (एसएपीएसआरसी) योजना के तहत 43.13 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। 2017-18 से, आरवीवाई के तहत आयोजित 265 शिविरों में 2,99,942 लाभार्थियों को 24,649.98 लाख रुपये की कीमत के कुल 12,24,645 उपकरण वितरित किए गए हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) 15 अगस्त 2020 को 32 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के 272 जिलों के लिए तैयार और लॉन्च किया गया था। अभियान की गतिविधियों में लगभग 3.08 करोड़ से अधिक युवाओं, 4,000 से अधिक युवा मंडलों, एनवाईकेएस और एनएसएस के स्वयंसेवकों और युवा क्लबों ने भाग लिया है। देश भर के 6000 से अधिक स्कूलों के 13 लाख से अधिक छात्रों के साथ संपर्क स्थापित किया गया है।

'प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही (पीएम-दक्ष)' का उद्देश्य नौकरी खोजने या स्व-रोजगार उद्यम शुरू करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाला कौशल प्रदान करना है। वित्त वर्ष 2020-21 में लाभार्थियों की संख्या लगभग 32097 और 2022-23 में लगभग 35484 थी।

हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उत्कृष्ट नेतृत्व में, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय पिछले 9 वर्षों से समाज के वंचित वर्ग के सम्मान, प्रगति और सभी प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं के लिए लगातार काम कर रहा है और मंत्रालय ने प्रतिष्ठित उपलब्धियां भी हासिल कीं हैं।

(लेखक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री हैं।)

विश्वगुरू और मंदिर है फिर भी यूसीसी व महाराष्ट्र!

भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक के चुनाव नतीजों के बाद परेशान थी। उससे पहले वह हिमाचल प्रदेश में हारी थी लेकिन तब गुजरात की जीत ने उस हार को ढक दिया था। कर्नाटक का चुनाव अकेले हुआ था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूरी ताकत लगाने, बजरंग बली के जयकारे और दूसरे सारे उपाय करने के बावजूद भाजपा बुरी तरह हारी। कांग्रेस की बड़ी जीत हुई। उसके बाद विपक्षी पार्टियों के गठबंधन की पहली बैठक पटना में हो गई। तमाम आशंकाओं के बावजूद सारे नेता जुट गए और एकजुट होकर लड़ने का संकल्प भी लिया। तभी भाजपा की परेशानी बढ़ी और नैरेटिव बदलने के प्रयास शुरू हुए।

नैरेटिव बदलने के कई उपाय हो रहे थे। कई उपाय आगे होने हैं। लेकिन उस बीच अचानक समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा और उसके बाद महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी तोड़ कर उनके भतीजे अजित पवार को महाराष्ट्र सरकार में उप मुख्यमंत्री बनाया गया।

सवाल है कि जब दूसरे उपाय थे और है तो समान नागरिक संहिता की क्या जरूरत थी? महाराष्ट्र में क्यों एनसीपी को तोड़ना था? अजीत पवार-प्रफुल्ल पटेल को सिर पर बैठाना था? ध्यान रहे कर्नाटक चुनाव के बाद प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यूगिनी की यात्रा हुई थी और उसको जिस तरह से हाईलाइट किया गया वह नैरेटिव बदलने के प्रयासों का हिस्सा था। उसके बाद प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर गए, जिसे उनके विश्वगुरू होने की निशानी के तौर पर प्रचारित किया गया। आगे अगले दो महीने जी 20 देशों की बैठक का हल्ला बना रहना है। सितंबर में दिल्ली में दुनिया के 20 सबसे शक्तिशाली देशों के नेता जुटेंगे। उनके अलावा भी कई देशों के प्रमुखों को अतिथि के तौर पर बुलाया गया है। उससे भी भारत और प्रधानमंत्री मोदी के विश्वगुरू होने का मैसेज बनवाया जाएगा। अगले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अयोध्या में भव्य राममंदिर का उद्घाटन होना है, जिसका उत्सव कई दिन तक चलेगा।

इन सबके बीच भाजपा ने अचानक समान नागरिक संहिता का दांव चला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी वकालत की है तो दूसरी ओर विपक्ष की एक मजबूत पार्टी को तोड़ कर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास हुआ है। सवाल है कि क्या भाजपा को प्रधानमंत्री मोदी के विश्वगुरू वाले एजेंडे पर पूरा भरोसा नहीं है? क्या भाजपा अयोध्या में राममंदिर को चुनाव जिताने वाला एजेंडा नहीं मान रही है? अगर भाजपा को अपने इन दोनों एजेंडों पर भरोसा होता तो यूसीसी का मुद्दा नहीं उठाया जाता और न ही महाराष्ट्र में तोड़-फोड़ की जरूरत नहीं होती।

महाराष्ट्र के मामले में बडा सवाल है कि जब चुनाव आयोग की ओर घोषित असली शिव सेना भाजपा के साथ है तो उसे शरद पवार की पार्टी की क्या जरूरत है? जिस पार्टी को भाजपा नेता नेचुरली करप्ट पार्टी बताते हैं और 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप लगाते हैं उस पार्टी के आरोपी नेताओं को साथ लेने की क्या मजबूरी है? ध्यान रहे राज्य की भाजपा और शिंदे सरकार को 160 के करीब विधायकों का समर्थन है इसके बावजूद पवार के 30-40 और विधायक साथ लाने की क्या जरूरत महसूस हो रही है? जाहिर है कथित असली शिव सेना यानी एकनाथ शिंदे के पार्टी के साथ लेने और शिंदे को मुख्यमंत्री बनवाने के बावजूद भाजपा अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं है। इसलिए उसे लग रहा है कि कांग्रेस, एनसीपी और शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट बड़ी चुनौती है। इसलिए लोकसभा सदस्यों की संख्या के लिहाज से देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य में विपक्ष को कमजोर करना जरूरी है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने रविवार को रात आठ बजे कवर्धा जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डो का भ्रमण कर मरीजों से इलाज के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने रात्रिकालीन ड्यूटी में तैनात डॉक्टरों और अन्य स्टॉफकी जानकारी ली। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने उन्हें जिला चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया। श्री परदेशी ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देते हुए अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के सचिव परदेशी ने चिकित्सालय में आपातकालीन वार्ड, एसएनसीयू और सर्जिकल वार्ड का निरीक्षण कर वहां इलाजरत मरीजों से चर्चा की। उन्होंने मेडिकल वार्ड में उपचाररत मरीजों तथा उनके परिजनों से चर्चा कर चिकित्सालय की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने वहां मरीजों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जानकारी ली। परदेशी ने एनआरसी और पीडियाट्रिक वार्ड का अवलोकन कर वहां मौजूद शिशु रोग विशेषज्ञ से अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछा। कबीरधाम जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल, सीएमएचओ-सह-सिविल सर्जन डॉ. सूर्यवंशी और जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती सृष्टि शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे।

मनुष्य का जीवन मिलना ही परमात्मा की असीम कृपा है : पंडित मेहता

रायपुर। वर्तमान परिवेरू में संस्कारों के अभावों के कारण परिवारों से संवेदनशीलता खत्म होते जा रही है इसलिए आज अधिकांश परिवार परेशानियों में है। हर व्यक्ति किसी न किसी कारण से परेशान है और उसकी परेशानी का कारण ही संवेदनशीलता का समाप्त होना है। संवेदनशीलता नहीं होने के कारण परिवार, मित्र, पुत्र सब एक-दूसरे से विमुख होते जा रहे है। परिवारों में आज गृहस्थी टूटने के जो परिणाम सामने आ रहे है या दिखाई दे रहे है उसका मूल कारण संवेदनशीलता का अभाव है। लव फॉर ह्मयुमैनिटी नींव संस्था द्वारा मैक कॉलेज ऑडिटोरियम समता कॉलोनी में मद् भागवत कथा में संवेदनशीलता सूत्र की व्याख्या करते हुए कथावाचक पंडित विजय शंकर मेहता ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन मिलना ही परमात्मा की असीम कृपा है, लेकिन वह संसार में आकर उसे भूल गया है। वह जब संसार में आया तो केवल आत्मा और परमात्मा ही उसके साथ थे और जब वह जाएगा तो भी आत्मा और परमात्मा ही उसके साथ रहने वाले है, लेकिन वह इन दोनों को भूल गया है। आत्मा का अगला कदम ही परमात्मा होता है, आत्मा तक पहुंचने के लिए उसे ध्यान करना होगा और उसी ध्यान मार्ग से वह परमात्मा तक पहुंचेगा।

माँ के आदर्शों पर चलकर छत्तीसगढ़ के चहुंमुखी विकास के लिए कर रहा हूं निरंतर कार्यः भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम भरदा टटेंगा में माता बिंदेश्वरी पार्क एवं प्रतिमा का किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उनकी माता स्वर्गीय श्रीमती बिंदेश्वरी देवी हमेशा कहा करती थी कि गांव, गरीब एवं किसानों के उन्नति से ही छत्तीसगढ़ एवं देश की उन्नति होगी। श्री बघेल ने कहा कि माँ के आदर्शों को आत्मसात् कर वे छत्तीसगढ के चहुंमुखी विकास एवं समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम भरदा टटेंगा में आयोजित माता बिंदेश्वरी देवी बघेल पार्क के लोकार्पण एवं प्रतिमा के अनावरण समारोह के अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त कर रहे थे।

श्री बघेल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के फलस्वरूप आज छत्तीसगढ़ पूरे देश में एक आत्मनिर्भर एवं खुशहाल राज्य के रूप में उभरा है। श्री बघेल ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पवित्र सावन माह के पहले सोमवार के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने ग्राम भरदा टटेंगा में नव निर्मित माता बिंदेश्वरी बघेल पार्क के समीप खरखरा नदी में पचरी निर्माण, बोटिंग व्यवस्था एवं सौंदर्यीकरण तथा बिंदेश्वरी बघेल पार्क में सामुदायिक हॉल के निर्माण हेतु 50-50 लाख रुपये, भरदा पुल से मुख्य मार्ग जेवरतला तक 3.50 किलोमीटर सड़क निर्माण हेतु 65 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। इसी तरह उन्होंने ग्राम भरदा में कैलाश धाम से मुक्ति धाम मार्ग के सीमेंटीकरण तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टटेंगा के उन्नयन करने की भी घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि ग्राम भरदा टटेंगा के ग्रामीणों द्वारा राज्य में लागू की गई किसान हितैषी एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु राशि एकत्र कर माता बिंदेश्वरी बघेल पार्क एवं मूर्ति का निर्माण कराया गया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने ग्राम भरदा टटेंगा के ग्रामीणों को उनकी माता स्वर्गीय श्रीमती बिंदेश्वरी देवी के नाम से पार्क एवं प्रतिमा निर्माण करने के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने ग्राम भरदा टटेंगा में बिंदेश्वरी पार्क एवं प्रतिमा की स्थापना के लिए ग्राम वासियों के साथ-साथ जनपद सदस्य श्री राजेश साहू के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पिछले साढ़े चार वर्षों से समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दो वर्षों के कोरोना काल के विभीषिका के दौरान भी राज्य में विकास की गति बाधित नहीं हुई। हमारी सरकार ने अन्नदाता किसानों का सम्मान करते हुए सत्ता की बागडोर संभालने के तुरंत बाद प्रति क्विंटल 2500 रुपये में धान खरीदी करने का साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में समर्थन मूल्य की दर बढ़ने के साथ-साथ धान खरीदी की दर में भी स्वभाविक रूप से बढ़ोतरी हो जाएगी। श्री बघेल ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक भाषा अंग्रेजी की महत्ता एवं उपयोगिता को देखते हुए तथा सभी वर्गों के बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु हमारी सरकार द्वारा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की गई है।

इसके अलावा वनोपज संग्रहण के कार्य में लगे लोगों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हें उनके मेहनत का वाजिब दाम दिलाने हेतु राज्य में 65 प्रकार के लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। इसके साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा ग्रामीणों एवं स्वसहायता समूह की महिलाओं के लिए गांव में ही रोजगार की व्यवस्था कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु राज्य में महत्वाकांक्षी नरवा, गरवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना लागू की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में इस योजना का क्रांतिकारी परिणाम देखने को मिल रहा है। इसके अलावा राज्य में राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना लागू कर इस योजना से लाभान्वित लोगों को प्रतिवर्ष 07 हजार रुपये की राशि प्रदान की जा रही है।

जनचौपाल में आए 60 आवेदन, कलेक्टर ने निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित जनचौपाल में आमजनों की समस्याएं सुनी। जनचौपाल में 60 आवेदन आए इसपर कलेक्टर ने अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बी.बी पंचभाई, एसडीएम देवेन्द्र पटेल उपस्थित थे।

जनचौपाल में शिवाजी नगर, दलदल सिवनी वार्ड क्रमांक-7 के रहवासियों ने शासकीय भूमि में बच्चों के खेलनें के लिए गार्डन तथा बुजुर्गों को बैठने और सुख-दुख के कार्य के लिए भवन निर्माण कराने आवेदन दिया। मनीष सेन ने ओम हॉस्पिटल एवं सरस्वती नर्सिंग होम के चिकित्सक के विरूद्ध शिकायत करते हुए जांच करने का आग्रह किया। सेन ने बताया कि उनके द्वारा उनकी पत्नी के ईलाज मे लापरवाही करने के संबंध में पूर्व में सीएचएमओ रायपुर को आवेदन दिया गया था, जिसपर जांच प्रतिवेदन भी तैयार किया गया था। मगर अभी तक कोई ठोस कदम नही उठाया जा सका है। सेन ने आवश्यक कार्रवाई करने का निवेदन किया है। ग्राम सिर्री निवासी नितिन वर्मा ने द्वारा राजस्व निरीक्षक के आपत्ति जताते हुए पुनः सीमांकन करने का निवेदन किया। समरथ वाटिका के निवासियों ने बिल्डर के नियमितीकरण के आवेदन पर रोक लगाने की मांग को लेकर कहा कि उनकी सोसाईटी दावडा कॉलोनी रायपुर में स्थित है। बिल्डर द्वारा करीब 95 प्रतिशत फ्लैटवासियों के सहमति के बिना नियमितीकरण कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जिस जगह का नियमितीकरण किया जा रहा है वहां पर अंडरग्राउंड वाटर टंकी बनाई हुई है। पार्किंग की जगह कम कर रूम बनाया गया है अतः समस्त रहवासियों ने उक्त प्रकिया पर रोक लगाने का आग्रह निवेदन किया।

छत्तीसगढ़ में होने वाली जी-20 की बैठकों की व्यवस्था की तैयारियां शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आगामी 18-19 सितम्बर 2023 को जी-20 देशों के कार्यसमूह की बैठक का आयोजित होगी। बैठकों की तमाम व्यवस्थाओं की प्रशासनिक व्यवस्थाओं के समन्वय हेतु मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में बैठक आयोजित की गई।

मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने संस्कृति, नगरीय प्रशासन, नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से उनके द्वारा की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवा रायपुर में एयरपोर्ट से मेयफेयर रिसार्ट एवं नवा रायपुर के अन्य मार्गों की वर्तमान स्थिति एवं आयोजन हेतु निर्मित होने वाली व्यवस्थाओं को लेकर थ्री-3डी वॉक-थ्रू के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने नवा रायपुर के विभिन्न मार्गों पर छत्तीसगढ़ प्रदेश की विशिष्टता को प्रदर्शित करने वाले स्थल, पुरातात्विक नगरी सिरपुर, चित्रकोट जलप्रपात, वन एवं खनिज संपदा और औद्योगिक विकास सहित छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी संबंधी होर्डिंग्स इत्यादि लगाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को एयरपोर्ट से मेफेयर रिसार्ट सड़क मार्ग, पुराना जी.ई. रोड, व्हीआईपी एवं अन्य मार्गों का सौन्दर्यीकरण और साज-सज्जा के एवं अन्य आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए है। संस्कृति विभाग के अधिकारियों को जी-20 की बैठकों में आने वाले विदेशी डेलीगेट्स के लिए छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य, संगीत और संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन करने के लिए अभी से आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए है। उन्होंने आयोजित किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल करने के निर्देश दिए है।

अंतिम रिहर्सल मुख्य मंच स्थल पर करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है कि अंतिम रिहर्सल सुरक्षा अधिग्रहण के पूर्व कर ली जाए। इसी तरह से जी-20 वाटिका हेतु उपयुक्त स्थलों पर विदेशी आगन्तुकों द्वारा पौधारोपण कराए जाने की तैयारी करने के निर्देश दिए। बैठक में व्यवस्थाओं की विभिन्न तैयारियों के संबंध में नगर निगम रायपुर, नवा रायपुर विकास प्राधिकरण और संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के जरिए विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

प्रदेश में आज से 24 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा

महिला व पुरूष को नसबंदी के बारे में किया जा रहा है जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करने राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आज 11 जुलाई से 24 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा (परिवार नियोजन पखवाड़ा) चलाया जाएगा। इस दौरान ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विशेष अभियान चलाकर पुरूष एवं महिला नसबंदी के प्रति फैली अज्ञानता व भ्रांतियों को दूर किया जाएगा।

पखवाड़े के दौरान ए.एन.एम. और मितानिनें घर-घर जाकर चिन्हांकित हितग्राहियों को परिवार नियोजन के स्थाई व अस्थाई साधनों के बारे बताएंगी। हितग्राहियों को जरूरी परामर्श और परिवार नियोजन की सेवाएं भी इस दौरान प्रदान की जाएंगी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में परिवार कल्याण के उप संचालक डॉ. टी.के. टोंडर ने बताया कि देश की बढ़ती जनसंख्या चिंता का विषय है। इसके लिए सबको जागरूक होने की जरूरत है।

सभी शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन के साधन निःशुल्क उपलब्ध हैं। इनमें पुरूष एवं महिला नसबंदी, निरोध, गर्भ निरोधक गोली, इंजेक्शन, कॉपर-टी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। परिवार नियोजन के लिए आवश्यक है कि पहले और दूसरे बच्चे के बीच तीन साल का अंतराल हो।

परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के उपायों पर डॉ. टोंडर ने बताया कि सभी जिला चिकित्सालयों, चिन्हांकित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा मान्यता प्राप्त निजी चिकित्सालयों में एन.एस.व्ही. की सुविधा उपलब्ध है।

पुरूष नसबंदी उन दंपत्तियों के लिए परिवार नियोजन का सबसे आसान उपाय है जिन्हें और बच्चे नहीं चाहिए। एन.एस.व्ही. बिना चीरा व टांके के दस से 20 मिनट में पूरी की जाती है, और इस प्रक्रिया में दर्द नहीं होता। नसबंदी के बाद किसी भी प्रकार की शारीरिक दुर्बलता नहीं होती, बल्कि पहले जैसा ही भारी काम कर सकते हैं। शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में नसबंदी के बाद पुरूष हितग्राहियों को तीन हजार रुपए और महिला हितग्राहियों को दो हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

11 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज राजधानी रायपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभी जिलों के परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी तथा जिला भंडार प्रभारी कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला में महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. सुभाष मिश्रा ने सभी नोडल अधिकारियों को जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राष्ट्रीय मछुआ दिवस के अवसर पर नवीन मछली नीति पुस्तिका का हुआ विमोचन

रायपुर। राष्ट्रीय मछुआ दिवस के अवसर पर तमिलनाडु के महाबलीपुरम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में जिले के मछली पालन विभाग के उप संचालक के अधिकारी-कर्मचारी और हितग्राही वर्चुअल रूप से शामिल हुए। उल्लेखनीय है महाबलीपुरम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन पुरुषोत्तम रूपाला केंद्रीय मात्स्यिकी पशुधन विकास एवं डेयरी मंत्री भारत शासन द्वारा किया गया। इसमें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेन्द्र धीवर, सदस्य दिनेश फुटान, मत्स्य महासंघ के अध्यक्ष रामकृष्ण धीवर और विभिन्न विकासखण्ड के अधिकारी तथा प्रगतिशील मत्स्य कृषक उपस्थित थे।

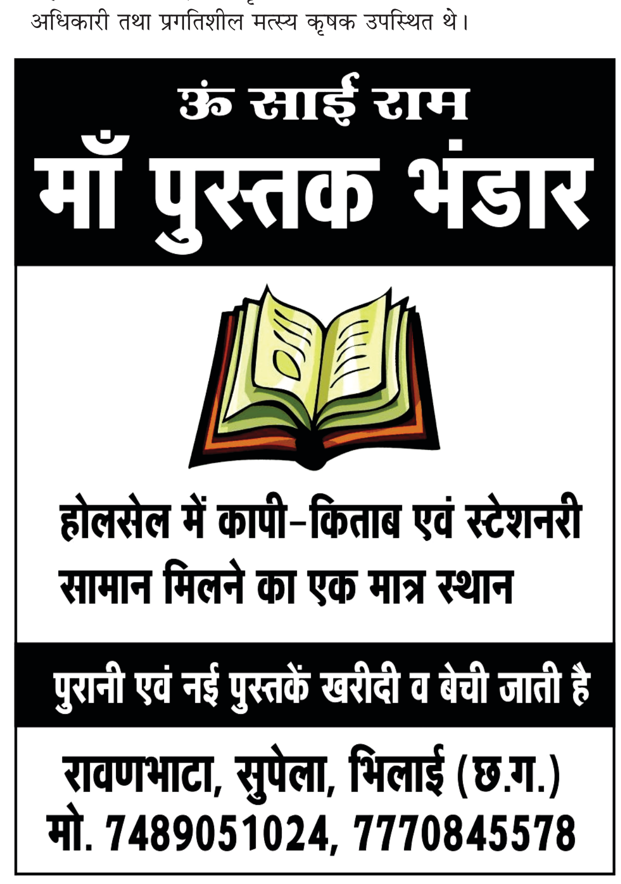

खास खबर...

कर्ज लेकर भूपेश सरकार धान खरीदती है: कांग्रेस

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार का धान खरीदी में कोई योगदान नहीं है। धान खरीदी का पूरा का पूरा पैसा राज्य सरकार के द्वारा वहन किया जाता है। राज्य सरकार मार्कफेड के माध्यम से विभिन्न बैंको से कर्ज लेकर धान खरीदी करती है। किसानों को छत्तीसगढ़ में 2640 रूपये, देश ही नही दुनिया में सबसे ज्यादा कीमत भूपेश सरकार दे रही है। केन्द्र सरकार सिर्फ सेन्ट्रल पुल का चावल लेती है। भारतीय जनता पार्टी के नेता भ्रम फैलाने के लिये जबरिया श्रेय लेने के लिये राजनीति कर रहे है। कांग्रेस सरकार द्वारा किसानों के प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी के निर्णय से भाजपा परेशान हो गयी है इसलिये वह धान खरीदी के मामले में लगातार झूठ बोल रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने अपने पद की गरिमा का ख्याल न रखते हुये झूठ बोला कि केंद्र सरकार का धान खरीदी में 80 प्रतिशत योगदान है जबकि केंद्र का धान खरीदी में योगदान शून्य है। संचार विभाग अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार धान खरीदी करके उससे चावल बनाकर अपनी कल्याणकारी योजनाओं में उपयोग किया जाता तथा केंद्र सरकार भी अपनी वेलफेयर योजना के लिये राज्य से चावल खरीदती है। धान से चावल बनाने का पूरा व्यय राज्य सरकार वहन करती है। चावल केंद्र को बेचने के बाद जो धान शेष बचता है उसका निराकरण और घाटा भी राज्य सरकार वहन करती है। पिछले साढ़े 4 साल में कांग्रेस सरकार ने धान खरीदी के 8259.4 करोड़ रू. का नुकसान उठाया था। वर्ष 2018-19 में 1501.87 करोड़ रू. का हानि, 2019-20 में 1056.93 करोड़ रू. की हानि, 2020-21 में 2010.41 करोड़ का हानि, 2021-22 में 2083.27 करोड़ रू. का हानि, 2022-23 में 1606.92 करोड़ रू. की हानि उठाया था। यही नहीं 2020-21 में कांग्रेस सरकार ने 2500 में धान खरीदकर 1100 से 1200 में खुले बाजार में बेच कर नुकसान उठाया था। घोषित समर्थन मूल्य से अतिरिक्त देने के कारण भूपेश सरकार ने 4 साल में किसानों पर लगभग 25000 करोड़ राजीव गांधी किसान न्याय योजना में दिया है। अभी तक 4 साल में कांग्रेस सरकार ने धान खरीदी पर 33 हजार करोड़ से अधिक अतिरिक्त खर्च किया है। यह भूपेश सरकार की किसानों को उनके ऊपज की पूरी कीमत देने की प्रतिबद्धता है। भूपेश सरकार ने किसानों पर 1 लाख 70 हजार करोड़ खर्च किया है।

शिक्षकों की कमी को लेकर घड़ियाली आंसू न बहाएं साव: धनंजय सिंह ठाकुर

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव शिक्षकों की कमी को लेकर घड़ियाली आंसू ना बहाये। 15 साल में रमन सरकार ने शिक्षकों की सीधी भर्ती नहीं की जिसके चलते हैं यह समस्या उत्पन्न हुई है। रमन सरकार के दौरान शिक्षकों के 52 हजार व्याख्याताओं के 12 हजार पद खाली थे प्रदेश के 3000 स्कूल एक शिक्षक के भरोसे चल रहा था और 3000 स्कूलों को बंद कर रमन सरकार ने निजी स्कूलों को आगे बढ़ाने का काम किया था। रमन सरकार का मकसद शिक्षा का बाजारीकरण करना था इसीलिए शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त किया और गरीबों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखने का महा पाप किया था। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि रमन सरकार के दौरान जब स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे जब शिक्षक मांगते थे स्कूल के लिए सुविधाएं मांगते थे तब उन पर लाठियां बरसती थी बलौदा बाजार जिले मैं रमन सिंह के विकास यात्रा के दौरान स्कूल के बच्चों को लाठियों से पीटा गया था बर्बरता की गई थी उन्हें घसीटा गया था कई बच्चे घायल हुए थे पूरा प्रदेश ने बर्बरता देखा था और रमन सिंह के हिटलर शाही चरित्र को जाना था। आज बच्चे अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री निवास तक पहुंच रहे हैं उनकी बातें सुनी जा रही है

स्वावलम्बी गौठान ने बदली निलजा गांव की जीवनदशा महिलाओं में जागा आत्मविश्वास, हुई गौरवान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने गौठान आरंभ किये तो लोगों को लगा था कि खुले मवेशियों की समस्या से निजात दिलाने और फसल सुरक्षा के लिए सरकार की यह बहुत अच्छी पहल है। एक-दो साल के भीतर यह पहल उनके जीवन और अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव लाएगी, ऐसा सोचना भी मुश्किल था। राजधानी रायपुर के ही पास के एक निलजा गौठान को लें, यहां भी पशुधन रखने गौठान की शुरूआत हुई लेकिन अब यह आजीविकामूलक गतिविधियों का केंद्र बन गया है।

जो लोग दूसरे के खेतों में काम करने मजबूर थे अब खुद का उद्यम कर रहे हैं। निलजा में ही 70 परिवार ऐसे हैं जो गौठान से सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इन घरों के सपने परिवार के मुखिया के साथ ही गृहिणी भी पूरी कर रही हैं क्योंकि अब आर्थिक शक्ति उनके हाथों में भी आई है। निलजा गौठान ऐसा है जहां के बनाए वर्मी कम्पोस्ट की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि इनकी बड़ी मांग होती है इतनी की महिला समूह आपूर्ति नहीं कर पाता। इस गौठान के कारण महिलाएं अपने पैरों पर खड़े होकर आत्मगौरव का अनुभव कर रहीं है। यहां के ग्रामीण कह रहे हैं धन्यवाद मुख्यमंत्री जी।

ग्राम निलजा की कहानी उस समय शुरू होती है जब राज्य सरकार ने नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना शुरू की। इस योजना के तहत निलजा में गौठान बनाए गए। साथ ही कुछ समय में ही आजीविका मूलक गतिविधियां भी शुरू की गई। वर्ष 2020 में गोधन योजना के तहत गोबर खरीदी शुरू की गई। एक साल तीन महीने के भीतर गौठान स्वावलंबी हो गया। सारे खर्च स्वयं उठाने लगा। समूह के अध्यक्ष घनश्याम वर्मा बताते है कि अब तक सात लाख 65 हजार गोबर की खरीदी हो चुकी है। गौठान द्वारा अब तक 2 हजार 185 किलो वर्मी कम्पोस्ट बनाया जा चुका हैं। गौठान समिति को अब तक करीब 21 लाख रूपए की आय हो चुकी है। साथ ही 2383 लीटर गौमूत्र की खरीदी की है जिससे 1200 लीटर ब्रम्हास्त्र बनाया जा चुका है। गौठान से जुड़कर महिलाओं आज अपने पैरो पर खड़ी है और आत्मविश्वास से भरी हुई है।

महिला समूह की अध्यक्ष शकुन वर्मा कहती है कि उनके समूह ने अब तक साढ़े सात लाख रूपए आय अर्जित की है। वे पहले दूसरे के खेतों में काम करती थीं अब खुद का काम कर रही है। उनके समूह में 11 सदस्य है जिन्हें प्रतिदिन औसतन प्रतिदिन करीब 150 से 200 रूपए की आय हो रही है। शकुन कहती हे कि उनके पति ट्रैक्टर चलाने का कार्य करते है। वह स्वयं दूसरे के खेतों में काम करने जाती थी। काम की अनिश्चितता रहती थी कभी अच्छा काम मिलता था तो कभी काम ही नहीं मिलता था। गौठान से जुड़ने के बाद अब नियमित आय का साधन मिल गया है। स्वयं का काम करने से आत्मविश्वास तो आया, साथ ही आत्मसम्मान भी जागा है। जो कमाई हुई, उससे उन्होने घर में टाईल्स लगवाया और बच्चों के लिए सायकल खरीदी, घर चलाने में भी मदद करती है। श्रीमती वर्मा मुख्यमंत्री को धन्यवाद देती है और कहती है कि उनके समूह की महिलाओं ने सोचा भी नहीं था कि गौठान से जुड़कर कोई रोजगार मिल सकता है और इससे कोई आत्मनिर्भर हो सकता है। राधाबाई वर्मा कहती हैं कि वे तीन साल से समूह से जुड़ी है। अब खुद का काम कर रही है। अच्छा लग रहा है। अपने पैरों पर खड़ी हैं। इस कमाई से उन्होंने पायल लिया है।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना

51 लाख से ज्यादा लोगों ने नि:शुल्क ईलाज एवं स्वास्थ्य जांच सुविधा का लिया फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से शहरी क्षेत्र के स्लम बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों को नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक 51 लाख 71 हजार 286 लोगों का इलाज मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल द्वारा स्लम बस्तियों में लोगों के घरों के पास ही पहुंचकर किया गया है। योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 125 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस योजना के माध्यम से अब तक 13 लाख 82 हजार 456 मरीजों की पैथालॉजी टेस्ट की जा चुकी है। साथ ही 44 लाख 42 हजार 290 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाएं भी दी गई हैं। लाभान्वित मरीजों में 2 लाख 88 हजार 247 से ज्यादा मेहनत-मजदूरी करने वाले श्रमिकों ने भी नि:शुल्क ईलाज जांच सुविधा का फायदा उठाया हैं।

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में 68 हजार 206 कैम्प लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध कराया जाए।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई। मुख्यमंत्री द्वारा एक जुलाई 2023 को 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट स्लम बस्तियों में लोगों के ईलाज के लिए शुरू की है। शहरों में स्लम बस्तियों सहित अन्य जरूरतमंद लोगों को इलाज के लिए और मोबाइल मेडिकल यूनिट शीघ्र ही शुरू की जाएगी।

'पौधा तुहर द्वार': वन मंत्री अकबर ने हरियाली प्रसार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वच्छ वातावरण तथा वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा 'पौधा तुहर द्वार' की योजना के तहत राज्यभर में पौध वितरण का कार्य जारी है। इस तारतम्य में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में विविध प्रजातियों के पौधों से भरे दो हरियाली प्रसार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। वन विभाग द्वारा विशेष पहल करते हुए 'पौधा तुहर द्वार' योजना के तहत रायपुर नगर निगम अंतर्गत घर तक नि:शुल्क पौधा पहुंचाकर दिया जाएगा। इस दौरान विभाग द्वारा गेड़ी का भी वितरण किया गया।

गौरतलब है कि यह योजना लगभग डेढ़ माह तक चलेगी, जिसमें आंवला, करंज, नीम, गुलमोहर, जामुन, मुनगा, कचनार, अमरूद, सीताफल, पेल्टाफॉर्म, नींबू, बादाम आदि प्रजाति के पौधों को आम जनों को मांग अनुसार उपलब्ध पौधों को घर दुकान ऑफिस फैक्ट्री आदि में उपयुक्त स्थल पर पहुंचाकर वृक्षारोपण करने हेतु नि:शुल्क पौधा प्रदाय किया जायेगा। इस योजना का लाभ लेने हेतु आम जनों को वन विभाग के कार्यालय तक आने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी क्योंकि वन विभाग से पौधे प्राप्त करने हेतु आम जन वन विभाग द्वारा 'पौधा तुहर द्वार' योजना हेतु सचालित व्हाटसएप नम्बर 7587017614 पर सम्पर्क कर सकते है। संपर्क करने पर विभाग द्वारा 2-3 दिवस के भीतर संबंधित को पौधा प्रदाय कर दिया जायेगा। इस योजना के तहत एक व्यक्ति एक बार में ज्यादा से ज्यादा 5 पौधें मांग कर सकते है।

विगत वर्ष में 'पौधा तुहर द्वार' योजना के तहत 92 स्थलों में 2164 हितग्राहियों को 10207 पौधे जाम आंवला, नींबू, सीताफल, कटहल, बेल, जामुन, नीम, कचनार, गुलमोहर एवं मुनगा आदि पौधों का वितरण किया गया था एवं मनरेगा योजना अंतर्गत शासकीय/अर्ध शासकीय, नगर निगम, शिक्षण संस्थाओं एवं अन्य हितग्राहियों को 571974 पौधों का भी नि:शुल्क वितरण किया गया था। मनरेगा योजना अंतर्गत इस वर्ष 29 भी शासकीय/अर्थ शासकीय, शिक्षण संस्था अन्य हितग्राहियों को कुल 135965 पौधों मांग अनुसार नि:शुल्क वितरण किया गया है। इस योज तहत वन विभाग द्वारा रायपुर नगर निगम क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु आम जनों को पौधा उपलब्ध कराकर वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव, मुख्य वन संरक्षक दिलराज प्रभाकर, वन मण्डलाधिकारी रायपुर विश्वेश कुमार आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में अबतक हुई 249.5 मिमी बारिश

रायपुर (ए)। जुलाई महीने का पहला पखवाड़ा बीतने को है और तक छत्तीसगढ़ में सामान्य से 16 फीसद कम वर्षा हुई है। एक जून से लेकर नौ जुलाई तक 249.5 मिमी बारिश हुई है, यह सामान्य से 16 फीसद कम है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अब तक प्रदेश में 297.8 मिमी वर्षा होनी चाहिए थी। अब तक दो जिलों में ज्यादा वर्षा, 14 जिलों में सामान्य, 10 जिलों में कम वर्षा और एक जिले में अति कम वर्षा हुई है।

छत्तीसगढ़ में कहां हुई कितनी वर्षा

रायपुर में 275.1 मिमी वर्षा हुई है, जो सामान्य से एक फीसद कम है। राजनांदगांव में 332.6 मिमी वर्षा हुई है,जो सामान्य से 30 फीसद ज्यादा है। प्रदेश में अब तक बालोद में 338.1 मिमी वर्षा हुई है, जो सर्वाधिक है और सामान्य से 14 फीसद ज्यादा है।

मानसून विलंब होने के कारण जून में हुई कम वर्षा

इसी प्रकार सरगुजा में सामान्य से 61 फीसद कम वर्षा हुई है, अब तक यहां केवल 249.5 मिमी वर्षा हुई है। प्रदेश में किसी भी स्थान पर अभी तक अति भारी वर्षा नहीं हुई है। मानसून इस बार विलंब होने के कारण जून में भी सामान्य से कम वर्षा हुई है। सोमवार को भी रायपुर सहित प्रदेश भर में सुबह से ही बादल छाए रहे और कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी मौसम का रुख ऐसा ही रहेगा और तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा।

अधिकतम तापमान में नहीं होगा बदलाव

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा का कहना है कि मंगलवार को भी प्रदेश के अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी और कुछ क्षेत्रों में बिजली गिरने की भी संभावना है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में बादल छाए रहेंगे।

लोकतंत्र को बचाने कांग्रेस का मौन सत्याग्रह कल

रायपुर (ए)। गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के बाद 12 जुलाई को कांग्रेस प्रदेश में लोकतंत्र सत्याग्रह करेगी इस दिन कांग्रेसी मौन व्रत रखेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट का फैसला निराशाजनक जरूर है, मगर अप्रत्याशित नहीं है। कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। राहुल गांधी सत्य की राह के निडर यात्री हैं और वो भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करते रहेंगे। इस तरह के पर्दाफाश से मोदी सरकार बौखलाई रहती है। मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह हो रहा है। कांग्रेस पार्टी को विश्वास है कि अंत में न्यायपालिका सत्य का ही साथ देगी। अहंकारी सत्ता को अंत में एक कड़ा जवाब मिलेगा। हाईकोर्ट के फैसले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा सच की लड़ाई लड़ी है, और आगे भी लड़ते रहेंगे। सच यह है कि ललित मोदी, नीरव मोदी, मेहुल भाई, विजय माल्या, जतिन मेहता जैसे भगोड़े, मोदी सरकार के निगरानी में जनता के पैसे लेकर, संदिग्ध रूप से विदेश पहुंच गए। भाजपा ने उनको तो आजाद कर दिया, पर झूठ की चालें चल, एक राजनैतिक साजिश के तहत, राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा कर, संसद से निलंबित करा दिया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

नुकसान तो आपने बहुत सुने होंगे लेकिन आज चॉकलेट खाने के फायदे भी जान लें...

चॉकलेट खाना बच्चों से लेकर बड़ो तक सभी को बेहद पसंद है। लेकिन आपने हमेशा ये सुना होगा कि चॉकलेट खाने से दांत खराब हो जाते हैं ये फैट बड़ जाता है। लेकिन कई रिसर्च में ये दवा किया गया है कि चॉकलेट हेल्थ के लिए फायदेमंद होती है। इसमें पोषक तत्व होते है। बता दें कि चॉकलेट कोको नाम के एक पेड़ के द्रव्य से बनती है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इस पेड़ में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जोकि सेहत के ले बेहद फायदेमंद है। आइए जानते हैं चॉकलेट खाने के फायदे।

डार्क चॉकलेट शरीर के लिए एंटीऑक्सीडेंट का एक बड़ा स्त्रोत है। शरीर को बाहरी हमलों से बचाने के लिए एंटीऑक्सीडेंट आहार जरूरी है। दरअसल, कोको में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट उच्च गुणवत्ता वाले होते हैं। कोको पेड़ के तरल पदार्थ से बनी चॉकलेट को डार्क चॉकलेट कहा जाता है। खासतौर पर यह चॉकलेट सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है। कोको में मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम और जिंक के अलावा कई अन्य पोषक तत्व भी होते हैं। इसमें थोड़ी मात्रा में कैफीन भी होता है, इसलिए अगर हम थोड़ी सी चॉकलेट भी खा लें तो शरीर को काफी मात्रा में कैलोरी मिल जाती है।

हृदय रोग और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से बचाव

डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोल्स होते हैं जो नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन करते हैं, जो आर्टरीज को मजबूत रखता है और रक्त प्रवाह में बाधा नहीं डालता है। अगर शरीर में खून अच्छे से बह रहा है तो दिल और दिमाग भी ठीक से काम कर रहे हैं। ऐसे में हृदय रोग और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। हृदय का स्वास्थ्य पूरे शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अगर दिल की धड़कन सामान्य रहेगी तो शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त संचार भी सामान्य रहेगा, लेकिन अगर रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है। खासतौर पर खराब कोलेस्ट्रॉल, जिसका नकारात्मक असर सबसे पहले दिल पर पड़ता है। डार्क चॉकलेट खून से खराब कोलेस्ट्रॉल को खत्म करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है।

अजय देवगन के भांजे अमन की पहली फिल्म का ऐलान, रवीना की बेटी राशा बनीं जोड़ीदार

अजय देवगन एक तरफ जहां अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं, वहीं दूसरी तरफ अब उनके भांजे अमन भी फिल्मी दुनिया में पदार्पण करने को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। उनकी पहली फिल्म का ऐलान हो चुका है, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी अभिषेक कपूर को सौंपी गई है और फिल्म में अमन की जोड़ी रवीना टंडन की बेटी राशा के साथ बनी है। आइए जानते हैं फिल्म से जुड़ीं और क्या जानकारियां सामने आई हैं।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, अभिषेक कपूर एक एक्शन एडवेंचर फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं, जिसके जरिए वह अजय देवगन के भांजे अमन देवगन और रवीना की बेटी राशा थडानी को बॉलीवुड में लॉन्च करेंगे। फिल्म 9 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी। तरण ने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला, प्रज्ञा कपूर के साथ मिलकर बनाने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है।

काई पो छे से अभिषेक ने जहां सुशांत सिंह राजपूत को बॉलीवुड में लॉन्च किया था, वहीं फिल्म केदारनाथ से उन्होंने सारा अली खान को मौका दिया था। अब वह अमन और राशा को इंडस्ट्री में ब्रेक देने जा रहे हैं। दोनों ने अभिनय का प्रशिक्षण भी लिया है। वे पिछले काफी समय से इस फिल्म के लिए तैयारी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि राशा और अमन अपना एक्टिंग करियर शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

अमन, अजय की बहन नीलम के बेटे हैं। उन्हें कई बार अजय और उनके परिवार के साथ घूमते-फिरते देखा जा चुका है। अमन की अजय के साथ खूब बनती है, वहीं अजय की बेटी न्यासा के साथ भी उनकी तस्वीरें वायरल हो चुकी हैं।

रवीना ने 1995 में दो बेटियों पूजा और छाया गोद ली थीं। इसके बाद 2004 में उन्होंने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की और 2 बच्चों राशा और रणबीर को जन्म दिया। रवीना की बेटी राशा दिखने में काफी खूबसूरत हैं। उनमें अपनी मां की झलक दिखती है। स्टाइल के मामले में वह अपनी मां को भी मात देती हैं। राशा सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो अक्सर वायरल होते हैं।

नींबू बढ़ाता है खूबसूरती लेकिन इस तरह करेंगे इस्तेमाल तो चेहरे को खराब भी कर सकता है नींबू का रस!

स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं। देसी नुस्खा और नेचुरल चीजों पर लोगों का भरोसा ज्यादा देखने को मिलता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ प्राकृतिक चीजें भी स्किन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसमें एक नाम नींबू भी है। बेशक नींबू सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है लेकिन अगर आप अपनी स्किन या चेहरे पर इसका रस डायरेक्ट लगाते हैं तो इसके कई साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं। आइए जानते हैं स्किन पर नींबू के रस से क्या-क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

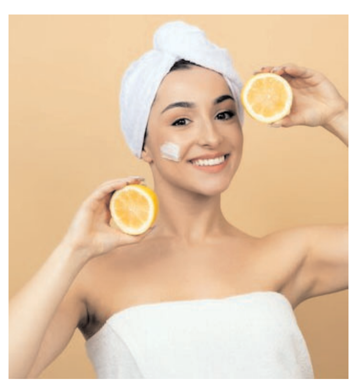

नींबू स्किन के लिए क्यों नुकसानदायक

नींबू में ब्लीचिंग इफेक्ट्स पाए जाते हैं, जिससे यह स्किन के लिए असरदार बताया जाता है। स्किन से जुड़ी परेशानियों को यह दूर करने में मदद करता है। नींबू के रस में विटामिन सी होता है, जो दाग-धब्बों का सफाया कर देता है। हालांकि, फिर भी इसके रस को स्किन पर सीधे लगाने से मना किया जाता है। क्योंकि यह कई तरह की परेशानियां खड़ी कर सकता है।

स्किन पर नींबू का रस सीधे क्यों नहीं लगाना चाहिए

नींबू का रस स्किन के लिए तभी तक फायदेमंद हैं, जब तक उसमें अन्य चीजें मिली हों। इससे उसका संतुलन बना रहता है लेकिन अगर बिना कुछ मिलाए सिर्फ नींबू का रस ही स्किन पर लगा लिया जाए तो लालिमा आ सकती है और खुजली की समस्या परेशान कर सकती है।

नींबू का रस स्किन पर सीधे लगाएं तो क्या नुकसान होगा

अगर आप नींबू का रस सीधे ही अपनी स्किन पर लगा रहे हैं तो इसके कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। इससे स्किन पर सनबर्न का खतरा बढ़ जाता है। कुछ लोगों की स्किन ऐसी होती है कि डायरेक्ट प्यूर फॉर्म में नींबू का रस लगाने पर उनमें केमिकल ल्यूकोडर्मा और फाइटो फोटोडर्मेटाइटिस जैसी स्किन समस्याएं बढ़ने का खतरा हो सकती हैं। इससे खुजली और जलन भी बढ़ सकती है।

आगामी डांस रियलिटी शो हिप-हॉप इंडिया में दिखाई देंगे रेमो डिसूजा

रोबोट', एबीसीडी 2', बाजीराव मस्तानी' और स्टूडेंट ऑफ द ईयर' जैसी कई भारतीय फिल्मों के डांस कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा जल्द ही आगामी डांस रियलिटी शो हिप-हॉप इंडिया' में अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। रियलिटी शो के साथ जुड़ने की घोषणा करते हुए रेमो डिसूजा ने अपने सोशल मीडिया पर शो का एक पोस्टर साझा किया, जिससे डांस प्रेमियों के बीच शो को लेकर काफी उत्साह पैदा हो गया। रेमो डिसूजा के साथ शो में हर हफ्ते एक नया सेलिब्रिटी डांस जज होगा। इसके अलावा एक और जज यह तय करेगा कि भारत की अगली बड़ी हिप-हॉप सनसनी का ताज किसे पहनाया जाएगा। यह जज कौन होगा, इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है।

शो पर टिप्पणी करते हुए रेमो ने कहा कि मुझे लगता है कि डांस शब्दों और भावनाओं से परे है और इसने मुझे वह सब कुछ हासिल करने में मदद की है जो आज मेरे पास है। हिप-हॉप विशेष रूप से मुझे जीवन के प्रत्येक क्षण में जीवंत महसूस कराता है।

हिप-हॉप इंडिया का लक्ष्य उभरते हिप-हॉप कलाकारों को सबसे बड़ा मंच प्रदान करना है। यह शो जल्द ही अमेजन मिनीटीवी पर स्ट्रीम होगा।

गोवा में वेकेशन का लुत्फ उठाती दिखीं मोनालिसा

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हालांकि वो अपने फैंस को भी इंप्रेस करने का कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट गोवा वेकेशन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी ग्लैमरस अदाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मोनालिसा इन दिनों गोवा में अपनी छुट्टियों का लुत्फ बखूबी उठा रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने इंस्टा पर कई फोटोज शेयर की हैं। हालांकि उनका ये लेटेस्ट मदमस्त अंदाज में फोटोशूट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। बताते चलें कि एक्ट्रेस मोनालिसा बेहद ही बोल्ड और ग्लैमरस हैं। अपने इसी अंदाज के कारण वो लोगों की चहेती बन गई हैं। मोनालिसा ने अपनी इन तस्वीरों को क्लिक करवाते हुए ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई थी। एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने अपने हुस्न का जादू चलाती हुई एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं अभिनेत्री अपना फुल वेकेशन मोड एन्जॉय कर रही हैं। फैंस भी उनकी इन तस्वीरों को देखकर उन पर खूब सारा प्यार लूटा रहे हैं। ये ही नहीं लोगों को उनका स्टाइल काफी पसंद भी आता है। मोनालिसा के साथ उनके पति विक्रांत सिंह भी गोवा में वेकेशन एन्जॉय कर रहे हैं। इन तस्वीरों में उनका मस्ती भरा अंदाज देखने को मिल रहा है।

शाहिद कपूर और कृति सेनॉन की मूवी की रिलीज डेट आउट, इस दिन सिनमाघरों में देगी दस्तक

शाहिद कपूर और कृति सेनॉन की अपकमिंग फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल में पूरी हो गई थी और दोनों स्टार्स का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया था। शाहिद कपूर और कृति सेनॉन की साथ में पहली फिल्म की अब रिलीज डेट आउट हो गई है। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म का नाम नहीं बताया है। आइए जानते हैं कि अमित जोशी और आराधना शाह के डायरेक्शन में बनने वाली शाहिद कपूर और कृति सेनॉन की फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने ट्विटर हैंडल पर शाहिद कपूर और कृति सेनॉन की अनटाइटिल्ड फिल्म का पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट की जानकारी दी है। ये फिल्म 7 दिसंबर, 2023 को रिलीज होगी।

छोटा रिवीलिंग टॉप और पेंट की जिप खोलकर नेहा सिंह ने सरेआम दिखाया हुस्न

सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड फिगर और हॉट फोटोज के कारण हमेशा सुर्खियों में रहने वाली नेहा सिंह की लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वो हर बार अपनी सेक्सी अदाओं से लोगों को इस कदर हैरान कर देती है कि उनके हर लुक्स से फैंस की नजरें हट पाना मुश्किल हो जाता है। हालिया तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। नेहा सिंह आए दिन अपनी बोल्ड फोटोशूट इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा देती हैं। वो हर बार अपने हॉटनेस भरे अंदाज से फैंस को इस कदर कायल कर देती हैं कि लोगों की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं। हाल ही में नेहा सिंह ने बेहद ही सेक्सी लुक्स में हॉट तस्वीरों की इंस्टा अकाउंट पर लाइन लगा दी है। इन तस्वीरों में नेहा सिंह ने काफी रिवीलिंग छोटा सा झालर लुक में टॉप और साथ ही डेनिम जींस पहनी हुई है। नेहा सिंह ने अपनी इन फोटोज में पेंट का जिप खोलकर कैमरे के सामने सरेआम खुलकर अपना हुस्न चमकाया है। उनकी इन फोटोज में सेंशुअस अदाएं देख कर फैंस आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। नेहा सिंह जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर रिस्पॉन्स करते हैं। बता दें कि नेहा सिंह सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं। और आए दिन अपनी बोल्डनेस से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आंगनबाड़ी में मिले पौष्टिक आहार से चुकेश्वरी को एनिमिया से मिली मुक्ति

गरियाबंद । प्रदेश में महिलाओं और बच्चों को कुपोषण और एनिमिया से मुक्ति दिलाने मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत महिलाओं और बच्चों में कुपोषण को दूर करने आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पौष्टिक आहार के साथ आवश्यक स्वास्थ्य सलाह भी दिया जा रहा है। योजना से लाभान्वित होकर महिलाएं एवं बच्चे कुपोषण एवं एनिमिया से मुक्त हो रहे हैं। इसी योजना के फ्लस्वरूप विकासखण्ड फिंगेश्वर अंतर्गत ग्राम सरकड़ा की रहने वाली चुकेश्वरी बरिहा एनिमिया से मुक्त हो गई है। योजना अंतर्गत चुकेश्वरी को गर्भावस्था के दौरान आंगनबाड़ी में गर्म भोजन दिया गया। साथ ही उन्हें पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सलाह भी दिया गया। इसके अलावा आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रतिमाह टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच भी किया गया। आंगनबाड़ी में मिले पौष्टिक आहार और आवश्यक स्वास्थ्य सलाह के फ्लस्वरूप चुकेश्वरी एनिमिया से मुक्त हो गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि चुकेश्वरी का हीमोग्लोबीन पहले 9 ग्राम था, जो कि आंगनबाड़ी में गर्म भोजन और पौष्टिक आहार मिलने के कारण 12 ग्राम हो गया। सुपोषित आहार के नियमित सेवन से चुकेश्वरी को उनके प्रसव के समय स्वास्थ्यगत समस्याएं नहीं हुई। उन्होंने 3.200 किलोग्राम के बच्चे को जन्म दिया। इस दौरान मां और बच्चा दोनों स्वस्थ्य रहे। प्रसव के बाद भी चुकेश्वरी का हीमोग्लोबीन 12 ग्राम बना रहा। प्रसव के उपरांत भी उनको रेटी-टू-ईट के प्रयोग, आयरन, कैल्सियम गोली के नियमित सेवन, स्वच्छता का ध्यान रखने, तथा अपने भोजन में हरी सब्जियों एवं पौष्टिक आहार का नियमित सेवन करने की सलाह दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गृह भेंट के दौरान उनके पति और उनकी सास को भी यह सब बाते बताई।

गोपालक एवं किसानों की आर्थिक स्थिति हो रही मजबूत

महासमुंद। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना से ज़िले के गोपालक एवं किसानों की आर्थिक स्थिति तो मज़बूत हो रही है। पारिवारिक जीवन भी पहले से और बेहतर हो रहा। यानि कि उनके जीवन के लिए ख़ुशियाँ लायी है। ग्रामीण क्षेत्र के गोपालक में इसे लेकर काफ़ी उत्साह है। लेकिन नगरीय क्षेत्र के गौठानों में भी गोपालक गोबर बेचकर अपनी आमदनी में इजाफ़ कर रहे है। नगर पालिका परिषद महासमुंद वार्ड क्रमांक 23 में रहने वाले वीरेंद्र के परिवार में इस गोधन न्याय योजना से ख़ुशहाली आयी है। राज्य सरकार द्वारा जब से 2 रुपये किलो में गोबर की खरीदी प्रारंभ हुई है, तब से गोबर का मूल्य मिलने लगा है। वीरेन्द्र ने बताया कि उनका परिवार का मुख्य आजीविका का साधन गाय पालन ही है। लेकिन एक समय ऐसा था कि पशु चारा की कीमतों में वृद्धि होने और गोबर का सही मूल्य नहीं मिलने के कारण गौ पालन संकट के दौर से गुजर रहा था। जब से गोधन न्याय योजना शुरू हुई है तब से उन्हें दोहरा लाभ मिलने लगा है। एक ओर गाय का दूध बेचकर आय हो रही, तो दूसरी ओर गोबर बेचकर आमदनी हो रही है। उन्होंने बताया कि अब तक उन्हें दूध एवं गोबर बेचकर एक लाख 96 हजार रुपए की आमदनी हुई है। वीरेंद्र ने बताया कि गोबर बेचकर प्राप्त आमदनी से अपने परिवार में विवाह के लिए जरूरी सामान की खरीदी की साथ ही एक अच्छी नस्ल की जर्सी गाय खरीदी, जो औसतन 8 से 10 लीटर दूध प्रतिदिन देती है। जिससे उन्हें हर महीने 12 से 15 हज़ार की आमदनी हो रही है। इस योजना के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि शासन की इस योजना ने गाय के महत्व को बढ़ाया है। मालूम हो कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 20 जुलाई 2020 को इस योजना की शुरू की गयी। जिसका नाम है छत्तीसगढ़ गोधन न्याय योजना है।

जन चौपाल में प्राप्त आवेदनों को त्वरित कार्रवाई करने अधिकारियों को दिए निर्देश

महासमुंद। हर मंगलवार को आयोजित होने वाली कलेक्टर जन चौपाल आज सोमवार को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आयोजित हुई। यह अब हर सोमवार को ही आयोजित होगी। कलेक्टर प्रभात मलिक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित इस जन चौपाल कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं को तन्मयता पूर्वक सुना। कलेक्टर मलिक ने जन चौपाल में जनसामान्य से प्राप्त मांगों एवं समस्याओं के आवेदन पत्रों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि निराकरण करने के निर्देश दिए। आज की जन चौपाल में विभिन्न समस्या और मांग संबंधी 29 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस. आलोक, अपर कलेक्टर दुर्गेश वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सु नेहा भेडिया सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। स्वेच्छानुदान राशि के संबंध में आवेदन दिया था जिसे कलेक्टर द्वारा परीक्षण उपरांत राशि उनके बैंक खाते जमा हो जाने का आश्वासन दिया।

भोरमदेव पदयात्रा: सदियों से चली आ रही परंपरा में शामिल हुए आईएएस, आईपीएस सहित 5000 श्रद्धालु

17 किमी की पदयात्रा कर भगवान शिव का किया जलाभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम स्थित भोरमदेव मंदिर के लिए ऐतिहासिक पदयात्रा सावन के पहले सोमवार को हुई। इस पदयात्रा में कई आईएएस, आईपीएस सहित 5000 श्रद्धालु शामिल हुए हैं। यह सभी लोग भोरमदेव मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। पदयात्रा की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। बूढ़ा महादेव मंदिर से कलेक्टर जनमजेय महोबे ने सुबह करीब 8 बजे इस 17 किमी लंबी पदयात्रा की शुरुआत की। भोरमदेव मंदिर को छत्तीसगढ़ के खजुराहो के नाम से जाना जाता है।

जलाभिषेक के बाद किया गया पौधरोपण

सदियों से चली आ रही यह पदयात्रा प्रशासनिक तौर पर आमजनों के सहयोग से 2008 से अनवरत जारी है। इस बार वन विभाग की ओर से पदयात्रा के दौरान ग्राम छपरी (गौशाला) और भोरमदेव मंदिर परिसर के अंदर पौधरोपण किया गया। वहीं श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों के जन स्वास्थ्य सुविधा एवं विश्राम के लिए व्यवस्था जिला प्रशासन ने की है। बाहर से आने वाले पदयात्रियों के लिए रोड मैप भी तैयार किया गया है। स्वास्थ्य विभाग का चलित एम्बुलेंस साथ है और श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था है।

रुकने और नाश्ते की व्यवस्था

पदयात्रा मार्ग में प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर शीतल पेयजल और नाश्ता की व्यवस्था की गई है। इनमें सकरी नदी विद्युत केन्द्र के पास, ग्राम समनापुर, ग्राम बरपेलाटोला, ग्राम रेंगाखारखुर्द, ग्राम कोडार, ग्राम राजानवागांव, ग्राम बाघुटोला, ग्राम छपरी (गौशाला) और भोरमदेव मंदिर परिसर शामिल है। वहीं भोरमदेव मंदिर परिसर के आस-पास कांवरियों के ठहरने के लिए भवन की व्यवस्था भी है। कंवरिया भवन, ग्राम पंचायत के पास बैगा भवन, आदिवासी भवन, शांकम्भरी भवन, ग्राम पंचायत भवन में वाटरप्रुफ टेंट, मड़वा महल मोड़ के पास धर्मशाला भवन में रुक सकते हैं।

प्लास्टिक प्रतिबंध

भोरमदेव मंदिर के आस-पास पॉलीथिन एवं प्लास्टिक युक्त सामग्री का उपयोग नहीं करने की अपील की गई है। कंवरियों और श्रद्धालुओं से प्लास्टिक, चावल, फूल किसी भी मुर्ति पर नहीं डालने को कहा गया है। आने वाले कंवरियों एवं श्रद्धालुओं के लिए अस्थाई शौचालय का निर्माण किया गया है। बैनर पोस्टर से चिन्हांकित किया गया है। सभी श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि सभी जगह स्वच्छता से उपयोग करें ताकि गंदगी एवं पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सके।

एक हजार साल पुराना है भोरमदेव मंदिर

कबीरधाम जिले में मैकल पर्वत समूह से घिरा भोरमदेव मंदिर करीब एक हजार साल पुराना है। मंदिर की बनावट खजुराहो और कोणार्क के मंदिर के समान है। यहां मुख्य मंदिर की बाहरी दीवारों पर मिथुन मूर्तियां बनी हुई हैं, इसलिए इसे छत्तीसगढ़ का खजुराहो कहा जाता है। मंदिर को 11वीं शताब्दी में नागवंशी राजा गोपाल देव ने बनवाया था। ऐसा कहा जाता है कि गोंड राजाओं के देवता भोरमदेव थे और वे भगवान शिव के उपासक थे। शिवजी का ही एक नाम भोरमदेव है। इसके कारण मंदिर का नाम भोरमदेव पड़ा।

राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से जिले के युवा सामाजिक और खेल गतिविधियों में हो रहे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा युवा प्रतिभाओं को संगठित कर एवं उन्हें उपयुक्त मंच प्रदान कर उनकी ऊर्जा का उपयोग सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में करने के लिए राजीव युवा मितान क्लब योजना की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से युवा शक्ति को संगठित कर उन्हें रचनात्मक कार्यो में जोड़ा जा रहा है।

राजीव युवा मितान क्लबों में जुड़े युवाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पर्यावरण एवं खेल को आगे बढ़ाने तथा जनकल्याण्कारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं लोगों को इसका लाभ दिलाने विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा मितान क्लबों को प्रतिवर्ष एक लाख रूपये की राशि देने का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से क्लबों द्वारा विभिन्न खेल एवं सामाजिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

प्रभारी जिला खेल अधिकारी श्याम चन्द्राकर ने बताया कि गरियाबंद जिले के ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों में वार्ड स्तर पर राजीव युवा मितान क्लबों का गठन किया गया है। प्रत्येक क्लब में 20 से 40 सदस्य संख्या निर्धारित है। उन्होंने बताया कि जिले के 336 ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में कुल 347 मितान क्लबों का गठन किया गया है। इसके अंतर्गत जिले के लभगत 9500 युवा प्रतिभाओं को सदस्य के रूप में जोड़ा गया है। जिले में गठित कुल 347 क्लबों के लिए प्रथम किश्त की राशि 25 हजार रूपये के मान से कुल 86 लाख 75 हजार रूपये प्राप्त हुआ है। साथ ही द्वितीय किश्त की राशि 315 क्लबों के लिए 78 लाख 75 हजार रूपये प्राप्त हो चुकी है। प्राप्त राशि से मितान क्लबों द्वारा रचनात्मक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

छत्तीसगढिया ओलंपिक, जागरूकता अभियान में मितान क्लबों की महती भूमिका - राजीव युवा मितान क्लबों द्वारा सामाजिक जागरूकता एवं खेल गतिविधियों अंतर्गत विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं।

इसके अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेल फुगड़ी, भौरा, बाटी, पिठुल जैसे मनोरंजनात्मक प्रतिस्पार्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही वृक्षा रोपण, रक्तदान अभियान, सफ़ाई अभियान, मलेरिया उन्मूलन, स्वच्छता अभियान एवं शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा कर लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। वर्ष छत्तीसगढिया ओलंपिक के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रायपुर की रविशंकर यूनिवर्सिटी में रिजल्ट पर हंगामा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर की रविशंकर यूनिवर्सिटी में रिजल्ट को लेकर जमकर हंगामा हुआ है। विरोध में हृस्ढ्ढ ने घेराव भी किया है। विश्वविद्यालय के तहत आने वाले कॉलेजों में बीसीए की परीक्षा में ज्यादातर छात्र फेल हो गए हैं। जिसके खिलाफ प्रदर्शन करते हुए छात्र नेताओं ने कुलपति को ज्ञापन भी सौंपा। हृस्ढ्ढ के कार्यकर्ता काले कपड़े पहनकर यूनिवर्सिटी में पहुंचे और जमकर नारेबाजी भी की। कार्यकर्ताओं ने पेपर जांच में लापरवाही का आरोप लगाया है और कुलपति से कार्रवाई की मांग की है।

विश्वविद्यालय में प्रदर्शन के दौरान हृस्ढ्ढ के रायपुर जिला महासचिव रजत ठाकुर ने बताया कि 'बीसीए फर्स्ट ईयर के 810 छात्रों में 359 छात्र फेल हो गए हैं। वहीं 284 स्टूडेंट्स को सप्लीमेंट्री आई है। रिजल्ट इतना खराब है कि करीब 20 फीसदी छात्र ही पास हो पाए हैं। हृस्ढ्ढ नेता ने कहा कि 'रिजल्ट दुर्भाग्य जनक है। विश्वविद्यालय में एडमिशन लेने वाले छात्रों को उनकी मेहनत का ये रिजल्ट मिल रहा है। छात्र नेताओं ने बताया कि कई कॉलेजों में परीक्षा के बाद ऑनलाइन रिवेल फॉर्म भरने के ऑप्शन भी वेबसाइट में नहीं दिख रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मांग की है कि पेपर जांच में हुई लापरवाही की जांच की जाए। इस पर कोई एक्शन नहीं लेने की स्थिति में विश्वविद्यालय में उग्र आंदोलन करने की भी चेतावनी दी गई। बीसीए की पढ़ाई के लिए रविशंकर विश्वविद्यालय से कई कॉलेज एफ्लिलेटेड हैं। जहां हजारों छात्र इसकी पढ़ाई कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक : खेलों को और भी रोमांचक बनाने इस बार कुश्ती एवं रस्सीकूद प्रतियोगिता भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर पिछले वर्ष शुरू की गई छत्तीसगढ़िया ओलंपिक को काफी लोकप्रियता मिली। इसको देखते हुए इस बार हरेली तिहार के दिन शुरू होने वाली छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023-24 को और भी रोमांचक बनाने के लिए एकल श्रेणी में दो नए खेल रस्सीकूद एवं कुश्ती को भी शामिल किया गया है। इस बार 16 तरह की खेलों में स्पर्धाएं आयोजित होंगी।

जिसमें दलीय एवं एकल श्रेणी में छत्तीसगढ़िया लोक-संस्कृति में रचे-बसे 8-8 तरह के खेलों को शामिल किया गया है। लगभग 2 महीने 10 दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का समापन 27 सितंबर को होगा। पारंपरिक खेलों के इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग बड़े उत्साह से भाग लेते हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा इन खेलों के लिए नियमावली बनाई गई है। इस बार के छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में शामिल रस्सीकूद एवं कुश्ती प्रतियोगिता के लिए बनाए गए नियमों के बारे में जानते हैं।

रस्सी कूद- इस खेल मे खिलाड़ी के दोनों पैर जुड़े रहेंगें। दोनों पैर का जम्प एक साथ होगा। खिलाड़ी को निर्धारित बॉक्स में ही जम्प करना होगा। रस्सी के दोनों छोर को हाथों की सहायता से कमर की उंचाई पर पकड़ना होगा। कलाई व कोहनी की सहायता से रस्सी कूदना होगा। कंधे का उपयोग अनुचित होगा। खिलाड़ी अपने स्थान पर जम्प करते हुए रस्सी को शरीर के सामने की ओर से पीछे से घुमाते हुए सिर के ऊपर से पैर तक आने पर एक जम्प गिना जाएगा। खिलाड़ी के शरीर का कोई भी हिस्सा या रस्सी का भाग यदि मार्किंग टेप को छूता है तो, खिलाड़ी खेल से बाहर माना जाएगा। प्रथम व द्वितीय स्थान पर टाई की स्थिति में संयुक्त विजेता घोषित किए जाएंगे तथा तृतीय स्थान पर टाई की स्थिति में अतिरिक्त एक मिनट का समय जम्प करने के लिए दिया जाएगा। उस समय में ज्यादा जम्प करने वाला खिलाड़ी तृतीय स्थान पर विजेता घोषित किया जाएगा। इस खेल की समय-सीमा 15 मिनट तक रखी गई है। मैदान का आकार 6 बाई 6 फीट होगा। निर्णायकों की संख्या 03 होगी।

कुश्ती- इस खेल में महिला एवं पुरूष वर्ग में अलग-अलग 5 वेट केटेगरी निर्धारित की गई है। जिसमें महिला वर्ग में 40 किलोग्राम तक, 41 से 50 किलोग्राम तक, 51 से 60 किलोग्राम तक, 61 से 70 किलोग्राम तक एवं 70 किलोग्राम से ऊपर तक की वेट केटेगरी रखी गई है। इसी तरह पुरूष वर्ग में 50 किलोग्राम तक, 51 से 60 किलोग्राम तक, 61 से 70 किलोग्राम तक, 71 से 80 किलोग्राम तक एवं 80 किलोग्राम से ऊपर तक की वेट केटेगरी निर्धारित की गई है। कुश्ती प्रतियोगिता के लिए बनाए गए नियानुसार मैच 03 मिनट के दो अंतराल में होगा एवं अंतराल में 30 सेकंड का विराम मिलेगा। इसमें विभिन्न प्रकार के नियम, फाउल भारतीय कुश्ती संघ के अनुरूप होंगे।

बूथ चलो अभियानः प्रभार वाले जोन में उत्कृष्ट कार्य करने पर रत्नावली का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। कांग्रेस के बूथ चलो अभियान में बेहतरीन परफ़ामेंस दिखाने पर कांग्रेस नेत्री रत्नावली कौशल का सम्मान वरिष्ठ कांग्रेसजनों द्वारा किया गया। सुश्री कौशल ने अपने प्रभार वाले जोन में टीम वर्क के साथ काम करते हुए तय समय सीमा के भीतर अभियान को शत प्रतिशत सफ्ल बनाकर कांग्रेस संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया है।

राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्यभर में बूथ चलो अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मकसद बूथ स्तर तक के कार्यकर्त्ताओं को रिचार्ज करना और एक रणनीति के तहत उन्हें चुनावी मोड में लाना है। प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छ्ग शासन सदस्य रत्नावली कौशल को मुंगेली जिले के फंदवानी जोन का बूथ चलो अभियान प्रभारी बनाया गया है। इस जोन में तीन सेक्टर और कुल 18 बूथ हैं। इन तीनों सेक्टरों और सभी 18 बूथों में अभियान को महज एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करना था। कांग्रेस नेत्री रत्नावली कौशल ने संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का बखूबी निर्वहन किया। सबसे पहले सुश्री कौशल ने जोन अध्यक्ष रघुराज सिंह ठाकुर, यशवंत पात्रे, सेक्टर प्रभारी राजेंद्र यादव, फंदवानी बूथ अध्यक्ष मुकेश पात्रे आदि के साथ बैठक कर अभियान को सभी बूथों में सफ्ल बनाने के लिए रणनीति तैयार की। इसके बाद हर सेक्टर और हर बूथ के मैदानी कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं की बैठकें लेकर उन्हें रत्नावली कौशल व रघुराज सिंह ने कांग्रेस की रीति नीति और सिद्धांतों को हर मतदाता तक कैसे पहुंचाना है, इस संबंध में टिप्स दिए। हिन्द सेना महिला ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष रत्नावली कौशल ने इस दौरान पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा की अहमियत और सफ्लता के बारे में भी आम लोगों को अवगत कराने हेतु कार्यकर्त्ताओं को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लोगों को यह बात अच्छी तरह से समझाएं कि भाजपा देश को तोडने और समुदायों के बीच नफ्रत घोलने का काम करती है। भाजपा द्वारा खड़ी की गई नफ्रत की दीवार को दहाने के लिए ही हमारे नेता राहुल गांधी ने पदयात्रा निकालकर कन्या कुमारी से कश्मीर तक साढ़े तीन हजार किमी की की यात्रा कर भाईचारे का संदेश प्रसारित किया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महासमुंद। पूरे महासमुंद ज़िले में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग मतदाता जागरुक्ता कार्यक्रम चलाये जा रहे है । महासमुंद ज़िले के सरायपाली विकासखंड के ग्राम पैकिन में आज सोमवार को दिव्यांग मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग ने आयोजित किया। जिसमें बहुतायत दिव्यांग, एवं वृद्धजन सम्मिलित हुये। जिन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया गया 18 वर्ष के दिव्यांग युवाओं को नवीन मतदाता हेतु फ़र्म की संबंध में जानकारी दी और भरवाया गया। आगामी मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया गया। उक्त कार्यक्रम उपसंचालक संगीता सिंह के मार्गदर्शन एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी के समन्वय से सम्पन्न हुआ। यह एक पहल है जो दिव्यांग लोगों को मतदान करने के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य होता है कि सभी दिव्यांग नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें और निर्धारित चुनावी कार्य प्रक्रिया में सक्रिय भाग लें।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

खेलने के दौरान पानी में डूबने से मासूम की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

जगदलपुर। जगदलपुर के कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम अलवा में सोमवार की शाम को घर से 100 मीटर दूर खेत में खेल रहे दो भाइयों में एक भाई की डबरा में डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी पास की एक महिला ने परिजनों को दी। तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए कोड़ेनार थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि गांव अलवा निवासी लखमू पोडियामी का चार वर्षीय बेटा हाबिल अपने भाई नविस के साथ घर से 100 मीटर दूर मन्नू के खेत में बने डबरा के पास शाम करीब चार बजे के लगभग खेल रहे थे। अचानक से हाबिल डबरा में डूबने लगा, जिसके बाद साथ आया भाई नविस मौके से भाग कर अपने घर में चुपचाप बैठ गया। शाम करीब 5.30 बजे के लगभग गांव की एक महिला खेत की ओर से आ रही थी और उसने डबरा में हाबिल को डूबा हुआ देख परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद उसे पानी से निकाल कर अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो गई थी।

कोरबा में पत्नी की हत्या कर पति ने की खुदखुशी

कोरबा (ए)। जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। ढनढनी गांव में एक पति ने अपनी पत्नी पर लोहे के घन से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। यह पूरा मामला उरगा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, उरगा थाना क्षेत्र के ढनढनी गांव में पति ने लोहे घन से पत्नी पर जानलेवा हमला किया। उसके बाद खुद को फांसी के फंदे से लटका लिया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजनों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में दाखिल कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर पवन बिंझवार (37 वर्ष) का पत्नी सुखमति बिंझवार (35 वर्ष) से विवाद हो गया। जिसके बाद पवन ने उस पर हमला कर खुद भी फांसी के फंदे पर झूल गया। घटना की जानकारी मिलते ही उरगा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। डॉग स्कॉड के साथ फॉरेंसिंग एक्सपर्ट को भी मौके पर बुलाया गया है. जिसमें जांच की जा रही है।

ऑनलाइन सट्टा पर बड़ी कार्रवाई

अपहरण के आरोपी को पकड़ा तो खुला सट्टा रैकेट, 23 सटोरिए चढ़े पुलिस के हत्थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले बड़े रैकेट का भांडाफोड़ हुआ है। अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार करने पर पुलिस को ऑनलाइन सट्टा रैकेट का पता चला। इसके बाद अभनपुर पुलिस ने रेड्डी अन्ना एप के जरिए ऑनलाइन सट्टा का संचालन करने वाले 23 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बड़ी मात्रा में मोबाइल व लेपटॉप बरामद किया गया। सटोरिए 150 से ज्यादा खातों का संचालन कर रहे थे। वहीं पुलिस ने 45 लाख रुपए भी होल्ड किए हैं। पकड़े गए सटोरियों के खिलाफधारा 7, 8 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 एवं 66डी आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार अभनपुर पुलिस ने धारा 365, 511, 34 के प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी मधुकर सिन्हा के मोबाइल की जांच की तो इससे ऑनलाइन सट्टा संचालन का खुलासा हुआ। आरोपी मधुकर सिन्हा एवं अजय उर्फ पिंटू नेताम अपहरण का असफल प्रयास कर चुके हैं। इनके खिलाफ थाना न्यू राजेन्द्र नगर में धारा 507 का अपराध भी दर्ज है। दोनों रेड्डी अन्ना एप के माध्यम से ऑन लाईन सट्टा का संचालन कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि आरोपी रायपुर, राजनांदगांव, उडीसा सहित विषाखापट्टनम में बैठकर ऑन लाईन सट्टा संचालित कर रहे थे। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना अभनपुर पुलिस की अलग-अलग संयुक्त टीमों द्वारा राजनांदगांव, उडीसा एवं विषाखापट्टनम से सटोरियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 17 अंतर्राज्यीय सटोरियों सहित कुल 23 सटोरियों को किया है।

पुलिस ने सटोरियों के कब्जे से 05 नग लैपटॉप, 50 मोबाइल फोन, 4 नग बैंक पासबुक, 4 नग चेक बुक, 8 एटीएम कार्ड, 1 वाई-फाई राउटर, 1 नग कैल्क्यूलेटर तथा करोड़ो रूपये के सट्टा का हिसाब-किताब वाले 4 रजिस्टर जब्त किया है। आरोपियों द्वारा रकम लेने-देन के लिए 150 बैंक खातों में करोड़ों रुपए का लेन-देन किया गया। पुलिस ने खातों में उपलब्ध लगभग 45 लाख रुपए को होल्ड किया है। साथ ही पुलिस अन्य बैंक खातों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

पत्नी के चरित्र पर था शक

बालोद में थाने जाकर पति बोला- साहब मैंने अपनी बीवी को मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवी नवागांव में एक व्यक्ति ने अपने पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी और खुद थाने पहुंचकर उसने सच्चाई बताई। जब व्यक्ति थाने पहुंचा तो कोई विश्वास नहीं कर रहा था लेकिन असलियत जानकर सब के होश उड़ गए। दरअसल, महिला का नाम झमित निषाद है वहीं उसके हत्यारे पति का नाम देवधर निषाद बताया जा रहा है। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार महिला ने कुछ दिनों पूर्व अपने पति के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद से दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

घटना में बाद थाना पहुंचने के साथ ही पुलीस हत्यारे पति को लेकर गांव पहुंची। जहां पर अब आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद से गांव के लोग सकते में हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के

लिए भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि रात को हत्या करने के बाद बेसुध हालत में पति थाने जा रहा था इसी दौरान पेट्रोलिंग वाहन ने उसे देखा और पूछा तो पूरा किस्सा आरोपी पति ने बताया। फिर उसे पेट्रोलिंग टीम अपने साथ थाना ले गई और घटनास्थल पर पहुंची।

ग्रामीणों की माने तो कुछ समय से विवाद चल रहा था जिसके कारण दोनों के बीच तनातनी थी। दरअसल पति देवघर अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका करता था। जिसके बाद से लड़ाई झगड़े का यह मामला थाने तक जा पहुंचा था और बीते रात लड़ाई इतनी बड़ी की महिला झमित निषाद की हत्या ही कर दी गई।

बैंक लोन से परेशान महिला ने की खुदकुशी डंपिंग यार्ड में लटकती मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक महिला ने बैंक लोन न चुका पाने व बैंक कर्मचारियों के लगातार परेशान करने के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला की लाश यहां के एक खदान में लटकती मिली। खदान में काम करने वालों ने शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाया। मृतका की पहचान जिंदी सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है महिला चार दिन से लापता थी जिसकी आज सुबह लाश देखी गई।

मिली जानकारी के मुताबिक जिंदी सिंह नाम की महिला यहां कटघोरा के अमरैयापारा में अपने पति और तीन बच्चों के साथ रहती थी। 6 जुलाई की सुबह वह घर से निकली, लेकिन फिर नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चला। रविवार देर शाम पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस महिला की तलाश में जुटी ही थी कि सोमवार की सुबह मानिकपुर के डंपिंग यार्ड में महिला का

शव फांसी पर लटके होने की सूचना मिली। पुलिस पहुंची मृतका की शिनाख्त जिंदी सिंह के रूप में की गई।

घटना की सूचना परिजनों को दी गई। मृतका के भाई महेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन पिछले कुछ दिन से परेशान थी। उसने महिला स्व सहायता समूह और बैंक से भी कर्ज लेकर रखा था। जिसे वह लौटा नहीं पा रही थी। इसके लिए बैंक के कर्मचारी उसे काफी परेशान कर रहे थे। इसके कारण वह काफी दबाव में थी और संभवत: इसी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने परिजनों का बयान ले लिया है और वह मामले की जांच कर रही है।

व्यापारी के घर लाखों की चोरी

परिवार के लोग सोते रहे और चोरों ने पार कर दिए लाखों के गहने व नगदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी में बिलासपुर में व्यापारी के घर पर लाखों की चोरी हो गई। घटना रविवार रात की है और व्यापारी को इसकी जानकारी सुबह लगी। दरअसल व्यापारी के परिवार के सदस्य रात को खाना खाने के बाद अपने अपने कमरे में सोने चले गए। जिस कमरे में चोरी हुई उस कमरे में कोई नहीं था। चोरी की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। व्यापारी ने बताया कि घर से 50 तोला सोना और करीब दो किलो चांदी व नगदी की चोरी हुई है।

यह पूरा मामला बिलासपुर के मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। यहां के गुरुदेव वस्त्रालय के संचालक जयराम नगर निवासी बद्री प्रसाद शर्मा, संजीव शर्मा, विवेक शर्मा के

घर पर चोरी हुई है। सभी भाई एक साथ संयुक्त परिवार में रहते हैं। पुलिस ने बताया कि रविवार रात को सभी ने रात का खाना खाया और अपने अपने कमरे में सोने चले। परिवार में 15 से ज्यादा सदस्य हैं। इसबीच रात 12 सक 3 बजे के बीच चोरी की बात कही जा रही है। चोर सीधे उसी कमरे में घुसे जिसमें सोने चांदी के जेवर व नगदी रखा हुआ था। चोरों ने घर से करीब 30 लाख रुपए के जेवर व नगदी पर हाथ साफकर दिया।

नींद खुली तो पता चला चोरी हो गई

रात में चोर घुसे और घर से बड़े आराम से चोरी कर गए और किसी को कानोकान खबर नहीं हुई। जबकि घर पर सभी सदस्य मौजूद रहे। सुबह जब नींद खुली तो इन्हें चोरी का पता चला। कमरा खुला था और अलमारी भी खुली पड़ी थी। उसके अंदर रखे सोने-चांदी के गहने और कैश गायब थे। सूचना मिलने पर मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि चोरी करने वाले कोई करीबी है।

पुलिस का कहना है कि चोर को अच्छी तरह से पता था कि कैश व गहने कहां रखे हुए हैं। चोर ने बड़ी आसानी से इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अब इस मामले में परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं दुकान के नौकरों से भी पूछताछ की जा रही है। यही नहीं पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी टीवी फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

छावनी बस्ती हादसा: भाई-बहन को ठोकर मारने वाला ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार, 15 घंटे बाद गिरफ्तारी

रविवार रात को कार से मारी थी ठोकर, छात्रा की हुई थी मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र अंतर्गत छावनी चौक में बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक्सीडेंट करने वाली स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को 15 घंटे बाद गिरफ्तार किया। उसने शराब के नशे में गाड़ी चलाई थी या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

आपको बता दें कि मंगल बाजार छावनी चौक के पास रविवार रात 7-8 बजे के बीच एक तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में साक्षी साव पिता प्रमोद साव (18 साल)

की मौत हो गई थी। वहीं उसका छोटा भाई चंदन साव (16 साल) की हालत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया था। उसका पता लगाने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। उसमें एक सफेद गाड़ी होने का पता चला।

इसके बाद पुलिस ने हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया से सफेद रंग की स्कॉर्पियो CG 07 CM 4151 को जब्त किया। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। इसमें अनमोल यादव पिता योगेंद्र (34 साल) निवासी हथखोज ने दुर्घटना करना स्वीकार किया। गाड़ी अनमोल की ही थी और वो खुद पेशे से एक ट्रांसपोर्टर है। पुलिस ने उसके खिलाफ एमवी एक्ट की धारा 304ए के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

शव मिलने के बाद लोगों ने किया था चक्काजाम

रविवार रात दुर्घटना के बाद मोहल्ले के लोगों ने चक्काजाम कर हंगामा करने की कोशिश की थी। बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचने पर चक्का जाम की स्थिति नहीं निर्मित हो पाई। अगले दिन सोमवार को पीएम के बाद साक्षी का शव मिलते ही परिजन फिर से भड़क गए। उन्होंने दुर्घटना स्थल पर जाकर चक्का जाम कर दिया। कई घंटों तक वहां गहमा-गहमी की स्थिति रही। इसी दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और सख्त कार्रवाई करने और उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग शांत हुए।

एटीएम में रुपए भरने वाले कर्मचारियों ने 6.75 लाख पार, चोरी दिखाने की तोड़फोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में एटीएम में चोरी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कोई और नहीं बल्कि रुपए भरने वाली एजेंसी के कर्मचारी निकले। दरअसल इन कर्मचारियों ने चाबी से खोलकर बड़ी आसानी से 6.75 लाख रुपए पार कर दिए। इसके बाद चोरी दिखाने के लिए एटीएम में तोड़फोड़ कर दी। हालांकि इनकी होशियारी काम नहीं आई और पुलिस ने तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार कर इनके पास से चोरी की रकम 100

फीसदी बरामद कर ली है।

यह पूरा मामला जिले के हथबंद थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि, ग्राम हथबंद मुख्य चौक पर स्थित इंडिया वन के एटीएम से चोरी की सूचना मिली थी। पुलिस पहुंची तो देखा कि एटीएम में तोड़फोड़ की गई थी। नीचे का कैश चैंबर खुला हुआ था। कैश चैंबर खुले होने पर पुलिस को शक हुआ। दूसरे दिन पुलिस की टीम एक्सपर्ट्स को लेकर पहुंची। तब पता चला कि एटीएम का कैश चैंबर चाबी और पासवर्ड डालकर खोला गया।

पुलिस को रुपए भरने वाले कर्मचारियों पर ही शक हुआ। इसके बाद पुलिस ने एटीएम में कैश लोड करने वाले एक कर्मचारी बोरियाखुर्द ऑरडीए कॉलोनी रायपुर निवासी युवराज चंद्राकर को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में उसने सारी सच्चाई बता दी। आरोपी ने बताया कि उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ चोरी की। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर न्यू राजेंद्र नगर रायपुर निवासी शुभम महावर और सागर वार्ड धमतरी निवासी शुभम यादव उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

कलेक्टर ने वार्ड 42 के नवनिर्वाचित पार्षद प्रीति को दिलाई शपथ

दुर्ग। नगर निगम के कसारीडीह वार्ड 42 के उप चुनाव में कांग्रेस के निर्वाचित पार्षद प्रीति प्रकाश गीते को विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मौजूदगी में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने उन्हें शपथ दिलवाई। कलेक्टर दफ्तर में एकत्रित हुए नेताओ ने पार्षद प्रीति गीते को दी बधाई।पार्षद ने कहा कि शहर में विकास कार्यो को देखते हुए वार्ड की जनता ने अपार आशीर्वाद दिया है।उन्होंने कहा शहर में चले रहे विकास कार्यो को और आगे बढ़ाते हुए संपूर्ण शहर में विकास कार्यो की नींव रखी गई है उसे मजबूत करते हुए विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल के मार्गदर्शन में शहर और वार्डो में विकास कार्यो की नई ऊंचाई पर ले गए। इस अवसर पर,एमआईसी सदस्य दीपक साहू, सचिव शरद रत्नाकर, संदीप वोरा ,शिवाकांत तिवारी,अजय मिश्रा,चिराग शर्मा सरोजिनी वानखेडे, सोनाली वानखेडे सौरभ सिन्हा व अन्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज दुर्ग ने शिवनाथ नदी के तट और शिवनाथ मुक्तिधाम पर 31 बेल पेड़ लगाए

दुर्ग। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज दुर्ग जिला के द्वारा सावन के प्रथम सोमवार को शिवनाथ नदी के तट और शिवनाथ मुक्तिधाम पर 31 बेल के पेड़ लगाए गए। राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने बताया कि सावन के माह में बेल के पत्तों का विशेष महत्व होता है क्योंकि भगवान शंकर को चढ़ाया जाता है। शिवनाथ नदी के तट पर स्थित मंदिरों में सावन और महाशिवरात्रि को दर्शन करने वाले भक्तों की अपार भीड़ होती है। भक्तों को भगवान शंकर को चढ़ाने के लिए बेलपत्र की कमी ना हो इसके लिए समाज ने यह वृक्षारोपण किया तथा जब मनुष्य अपनी अंतिम यात्रा में निकलता है तो उसको कुछ समय के लिए बेल पेड़ के नीचे रखना और अगर बेल पेड़ की छांव भी उस पर पड़ जाए तो उसको मोक्ष को प्राप्त होती है। यह हमारे शास्त्र में लिखा है। डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही ने वृक्षारोपण करने की विधि की जानकारी दी और बेलपत्र का महत्व समझाया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी, डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही, सुमित शर्मा, सुमन पांडे, मंजूरी दुबे, लीना दुबे, चंद्रशेखर पांडे, अविनाश तिवारी राकेश शुक्ला अनिल शुक्ला, श्याम शुक्ला, राजेश भाई ,आनंद महाराज, सतीश पांडे, महेश दुबे, अनिल पांडे, बृजमोहन तिवारी, राजेश वडायालकर,राजू शर्मा एवँ अन्य विप्र जन उपस्तिथ थे। उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी विमल तिवारी ने दी है।

शिक्षा के बिना जीवन का सार्थक होना असंभव - ललित चंद्राकर

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम मतवारी में संस्कार पब्लिक स्कूल के द्वारा शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग जिला भाजपा महामंत्री ललित चंद्राकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान बच्चों को तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। दुर्ग जिला भाजपा महामंत्री ललित चंद्राकर ने कहा कि सर्वविदित है कि शिक्षा के अभाव में आदमी का जीवन सार्थक होना बिल्कुल असंभव है क्योंकि आज की आधुनिक युग में हर जगह हमें प्राप्त शिक्षा के आधार पर अपना जीवन यापन करते हैं और आज के शाला प्रवेश उत्सव में जहां बच्चे भगवान का स्वरूप होते हैं उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त होने चाहिए अच्छे संस्कार प्राप्त होने चाहिए साथ ही साथ उनके अच्छे सेहत को लेकर लगातार खेलकूद के कार्यक्रम भी आयोजित होने चाहिए शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में दीपक सिंह ठाकुर, रामेश्वर साहू, केसरी बाई साहू, ज्योति यादव, कृष लाल साहू, भैया लाल साहू, ढलेश्वरी साहू, श्रेणी बाई साहू, मंजू साहू, चित्रलेखा बंजारे, शकुंतलाबाई एवं ग्राम वासी उपस्थित थे।

गर्डर लॉन्चिंग के लिए मेगा ब्लॉक, रेलवे ने रद्द की 9 ट्रेनें

आधा दर्जन ट्रेनों की टाइमिंग भी बदली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के तहत दुर्ग-भिलाई नगर रेलवे स्टेशनों के गर्डर लॉन्चिंग किया जाना है। इसके लिए रेलवे मेगा ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इसके कारण दुर्ग भिलाई व रायपुर से होकर गुजरने वाली 9 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। दुर्ग-भिलाई नगर के बीच ओवरब्रिज पर 17 और 19 जुलाई को गर्डर लॉन्चिंग का काम होगा। जो 17 जुलाई की रात एक बजे से सुबह 6.40 बजे तक चलेगा।

इसी तरह 19 जुलाई की रात 11 बजे से 20 जुलाई को 3.40 बजे तक किया जाएगा। यह ट्रेनें 16 से 20 जुलाई को रद्द रहेंगी।

यही नहीं लंबी दूरी की आठ ट्रेनों की टाइमिंग बदली गई है। यानी इन ट्रेनों को तय समय से घंटों देरी से रवाना किया जाएगा।

रद्द होने वाली गाड़ियां

17 एवं 20 जुलाई को रायपुर से चलने वाली 08701 रायपुर-दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

17 एवं 20 जुलाई को दुर्ग से चलने वाली 08702 दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

17 एवं 20 जुलाई को डोंगरगढ़ से चलने वाली 08730 डोंगरगढ़- रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

17 एवं 20 जुलाई को डोंगरगढ़ से चलने वाली 08710 डोंगरगढ़- रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

16 एवं 19 जुलाई को गेवरा रोड से चलने वाली 18239 गेवरा रोड-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

16 एवं 19 जुलाई को टाटा नगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

16 एवं 19 जुलाई को इतवारी से चलने वाली 18240 इतवारी-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

17 एवं 20 जुलाई को इतवारी से चलने वाली 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

16 एवं 19 जुलाई को रायपुर से चलने वाली 08729 रायपुर -डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

देरी से रवाना होने वाली गाड़ियां

16 जुलाई को मुंबई से चलने वाली 12869 मुंबई- हावड़ा एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी।

16 जुलाई को पुणे से चलने वाली 22845 पुणे-हटिया एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी।

16 जुलाई को साईनगर शिरडी से चलने वाली 20858 साईनगर शिरडी-पूरी एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी।

17 जुलाई को दुर्ग से चलने वाली 13287 दुर्ग-राजेंद्र नगर बिहार साउथ बिहार एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी।

16 जुलाई को बीकानेर से चलने वाली 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी।

16 जुलाई को मुंबई से चलने वाली 12261 मुंबई ङ्कहावड़ा एक्सप्रेस 01 घंटे देरी से रवाना होगी।

15 जुलाई को अमृतसर से चलने वाली 18238 अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस 2 घंटे देरी से रवाना होगी।

17 जुलाई को गोंदिया से चलने वाली 08861 गोंदिया-झारसुगूढ पैसेंजर स्पेशल 01 घंटे देरी से रवाना होगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाड़ियां

16 एवं 19 जुलाई को गोंदिया से चलने वाली 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नौनपुर-जबलपुर-कटनी होकर चलेगी।

निगम क्षेत्र में आवारा घूमने वाले मवेशियों की हुई धरपकड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकडऩे के लिए अभियान चलाया जा रहा है। निगम क्षेत्र में अवाारा घूमने वाले मवेशियों से किसी को परेशानी न हो इसे देखते हुए भिलाई निगम की टीम सभी जोन क्षेत्रों में तिथि वार आवारा पशुओं को पकडऩे अभियान चला रही है। अभियान के तहत आवारा पशुओं को पकड़ कर गौठान भेजा गया है। आवारा मवेशियों को पकडऩे के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए आयुक्त रोहित व्यास ने निर्देश दिए हैं। रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकडऩे टीम शहर में विभिन्न संसाधनों के साथ घूम-घूम कर आवारा मवेशी को पकड़ रहे हैं। काऊ केचर वाहन में मवेशियों को डालकर सीधे गौठान में छोड़ा जा रहा है। भिलाई निगम की टीम मुख्य रूप से शहर के सभी मार्केट क्षेत्र तथा अंदरूनी क्षेत्र की सड़कों के किनारे घूमने वाले मवेशियों को टारगेट करते हुए मार्केट, सर्विस रोड, सार्वजनिक स्थान, तथा जीई रोड के किनारे चलने वाले आवारा मवेशियों को पकड़ रही है। आज न्यू बसंत टॉकीज, विजय कंपलेक्स रोड, छावनी क्षेत्र, नंदनी रोड एवं गौरव पथ रोड से 16 पशुओं को पकड़कर गौठान भेजा गया। आवारा पशुओं के कारण वाहन चालकों एवं मार्केट में खरीददारी के लिए आने वाले लोगों को समस्या से निजात दिलाने निगम की टीम पशुओ को पकडऩे की कार्रवाई कर रहे हैं।

विशेष अभियान में निगम क्षेत्र के वार्डो से आवारा मवेशी पकडऩे योजना बनाकर कार्य कर रहे है। सभी क्षेत्रों में आवारा पशुओं को पकडऩे का अभियान चलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने आवारा मवेशियों को पकडऩे के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए है। इसी के तहत भिलाई निगम क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है। मवेशियों को पकडऩे के दौरान उन्हें चोट न लगे इसलिए निगम की टीम दो काऊ केचर एवं रस्सी व आवश्यक संसाधन के साथ फिल्ड में पहुंच रहे है।

पोटियाकला के 116 और गणपति विहार का पीएम आवास कार्य में गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत मोर मकान-मोर आस के आवेदको तथा हितग्राहियों के लिए खुशखबरी है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने जानकारी देते हुए कहा कि दोनों स्थलों में निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य तीव्रता के साथ किया जा रहा है।

संभावना है कि आगामी तीन माह में यह दोनो परियोजना स्थल पूर्ण हो जाएगें पात्र आवेदकों से अनुरोध करते हुए महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि जल्द से जल्द प्रथम किश्त की राशि डाटा सेंटर में जना करते हुए लॉटरी हेतु नाम सुनिश्चित कराए, 14 जून 2023 को तृतीय लॉटरी में 85 लोगों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया गया । कुल 153 हितग्राहियों को मोर मकान-मोर आम अंतर्गत आवास आबंटन किया गया है।सहायक नोडल अधिकारी जितेन्द्र समैया ने फार्चून हाईट्स के सभी 36 हितग्राहियों से अपील किया है कि शत प्रतिशत हितग्राही अंशदान की राशि 07 दिनों की अवधि में करें ताकि आवास का आधिपत्य सौंपा जा सके, इसके लिए डाटा

सेंटर में ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। यदि 10 दिनों की अवधि में संपूर्ण हितग्राही अंशदान की राशि जमा नहीं की जायेगी तो आवंटन रद्द करते हुए पात्र सूची में से अन्य आवेदकों को आवास आबंटन की कार्यवाही की जायेगी।नोडल अधिकारी दिनेश नेताम कार्यपालन अभियंता ने बताया है कि तृतीय लॉटरी 14 जून 2023 के पश्चात् आज दिनांक तक 10 हितग्राहियों द्वारा प्रथम किश्त की राशि अदा करते हुए लॉटरी में नाम सुनिश्चित किया है तथा संभवत: आगामी लॉटरी जुलाई के अंतिम सप्ताह में आयोजित की जावेगी।

दाई- दीदी क्लीनिक से महिलाओं को मिल रहीं विशेष सुविधाएं, 340 से ज्यादा लोगों का हुआ निशुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत दाई दीदी क्लिनिक 5 जुलाई को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए शुभारंभ की गयी। शुभारंभ से लेकर अब तक 340 से ज्यादा महिलाओं का ईलाज 5 कैम्प के माध्यम से किया गया।जिसमे 80 मरीजो ने अपना रक्त जांच करवाया।

विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित इस क्लिनिक से महिलाओं को काफी लाभ मिल रहा है।यह योजना पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में चलायी जा रही है।दाई-दीदी क्लीनिक में डॉक्टर सहित सभी चिकित्सकीय स्टाफ महिलाएं ही हैं और इसमें केवल महिलाओं का ही नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि संकोच के कारण महिलाएं अपनी बीमारी को खुलकर नहीं बता पाती हैं। इस कारण उनकी बीमारी का सही उपचार नहीं हो पाता।अब दाई-दीदी क्लीनिक में महिला चिकित्सक और महिला स्टाफ होने से वे नि:संकोच अपना समुचित इलाज करा सकेंगी।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि महिलाओं को नि:शुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्हें अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने ने महिलाओं से इस क्लीनिक का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की है। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना 5 कैम्प के नोडल अधिकारी जावेद अली है।शिविर में इलाज कराने आई इस बारे में एक लाभार्थी महिला ओमेश्वरी सोनी (38) ने कहा जब मैंने इस क्लिनिक के बारे में आंगनबाड़ी से सुना तो मुझे यकीन नहीं हुआ कि घर के बाहर भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकता है, लेकिन सुबह जब दाई-दीदी क्लीनिक की गाड़ी घर के बाहर पहुंची तो मै हैरान रह गई। मेरी वहॉ पर बीपी जांच हुई, ब्लड और शुगर लेवल भी चेक किया गया, साथ ही नि:शुल्क दवाईयां भी मिली।तब जाकर मुझे यकीन हुआ कि ऐसा भी हो सकता है।

उन्होंने कहा यह योजना बहुत ही अच्छी है इससे उनके समय की बचत हो रही है। 60 वर्षीय गिरजा पटेल का कहना है कि शुगर जांच के लिये अस्पतालों में जाने से टाइम लगता है इसलिए उसने दाई दीदी क्लीनिक में जांच कराई और नि:शुल्क दवाई भी प्राप्त की हैं।दाई-दीदी क्लीनिक में सबसे अच्छी बात हम युवतियों के लिए यह है कि इसमें सभी स्टाफ महिलाएं हैं जिनसे अपनी परेशानी बताने में संकोच नहीं होता है।

सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है: ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंडा में अटल टिंकरिंग लैब एवं लगभग 60 लाख की राशि से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपुजन लोकार्पण एवम् प्रतीभावान बच्चों का सम्मान समारोह कार्यक्रम गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के सानिध्य में संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, अध्यक्षता देवेंद्र देशमुख अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग, विषेश अतिथि नंद कुमार सेन अध्यक्ष केश कला बोर्ड, शशि सिन्हा महापौर नगर निगम रिसाली, जिला पंचायत सदस्य माया बेलचंदन, लक्ष्मी साहू जिला पंचायत सदस्य, रिवेंद यादव, मनीष चंद्राकर जनपद सदस्य, उमा देवी चंद्राकर सरपंच, पुकेश चंद्राकर अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति,

जयराम चंद्राकर विधायक प्रतिनिधि , डीडी साहू, जेडी चेलक एसएमसी सदस्य, डीपी चंद्राकर अन्य जनप्रतिनिधिगण, अतिथिगण, एल चंद्राकर प्रभारी प्राचार्य, पालकगण ग्रामवासी एवं शाला के समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण अध्यक्ष जिला किसान कांग्रेस पुकेश चंद्राकर ने कहा की ग्राम अंडा में अब तक मंत्री द्वारा कोरोड़ो राशि से विकास कार्य हुआ है हमारी मांग के अनुसार लगातार ग्राम में सड़क, सीसी सड़क निर्माण,भवन निर्माण, नाली निर्माण, स्वास्थ, शिक्षा के लिए कार्य हुआ है जिसके लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। गांवों में मूलभूत सुविधाओं की ओर प्राथमिकता के साथ ध्यान दिया जा रहा है। गांवों के विकास में कोई कमी नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार सालों में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीणों की मांग के अनुसार कार्य कराए गए हैं। उन्होनें आने वाले समय में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, अस्पताल, विश्राम गृह जैसे भवन निर्माण किया जायेगा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भूपेश सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में किसानों की खुशहाली के लिए बनाई गई योजनाओं से खेती-किसानी की ओर लोगों का फिर से झुकाव हो रहा है।

आधार अपडेट, आयुष्मान के साथ बनेगा श्रमकार्ड

रिसाली। आम लोगों का आधार अपडेट करने के साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाने रिसाली निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डो में शिविर लगाया जा रहा है। शिविर की शुरूआत जोरातराई वार्ड से की जाएगी। खास बात यह है कि शिविर में श्रम विभाग के भी अधिकारी मौजूद रहेंगे। वे श्रमिकों का पंजीयन करने के अलावा श्रमिक कार्ड अपडेट करेंगे। निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने बताया कि आमतौर पर आधार अपडेट नहीं होने से आयुष्मान कार्ड बनाने में समस्या आ रही थी।

स्कूल छत जीर्णोद्धार का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने दिया आवेदन

देवादा के निवासियों ने रोड में गति अवरोधक बनवाने जनदर्शन में लगाई गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के विभिन्न स्थानों से कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचें लोगों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने कहा है। आज जनदर्शन कार्यक्रम में 150 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अवैध कब्जा, बटवारा, आर्थिक सहायता, सीमांकन, स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड से संबंधित आवेदन शामिल है।

कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंची पुरैना निवासी ने शिकायत करते हुए बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला पुरैना स्कूल के छत में जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में बाधा पहुंच रही है। साथ ही बारिश का पानी स्कूल के मैदान

में भरे होने के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में असुविधाओं को सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

शिवपुरी निवासी ने शासकीय बोर को हटाने आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वह अपने निजी भूमि में आवास निर्माण कराना चाह रहे हैं, लेकिन निजी भूमि में शासकीय बोर होने के कारण उन्हें आवास निर्माण करने में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगर पालिका अधिकारी जामुल को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा।

पाटन विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम देवादा निवासी ने देवादा रोड में दोनों तरफ स्पीड ब्रेकर बनवाने आवेदन सौंपा। उन्होंने बताया कि रोड के किनारे आंगनबाड़ी केन्द्र एवं शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ाई के लिए आना जाना लगा रहता है। चूंकि किसी प्रकार की गति अवरोधक नहीं होने के कारण रोड पार करने में स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गति अवरोधक नही होने की वजह से दुर्घटना घटने की संभावना बनी रहती है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम गाडाडीह निवासी ने विकलांगता पेंशन के लिए आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वह शारीरिक रूप से विकलांग हैं। उनकी आर्थिक एवं शारीरिक स्थिति ठीक नही होने के कारण अपना ईलाज व जीवन निर्वहन करने में असमर्थ है और न ही आय का कोई साधन है, जिससे अपना भरण पोषण कर सकूं। इस पर संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम बोड़ेगांव निवासी ने विधवा पेंशन दिलाने आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पति की मृत्यु उपरांत घर चलाने में उसे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुभाष नगर प्रबुद्ध कल्याण समिति ने सामाजिक कार्यालय भवन हेतु शासकीय भूमि आबंटन, कोहका भिलाई वार्ड नम्बर 13 के समस्त नागरिकों ने वार्ड में रोड एवं नाली निर्माण कराने इत्यादि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुआ। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल घुघवा के बच्चों ने एक अनोखा मॉडल बनाया है। इस मॉडल के जरिए पेट्रोल पंपों में पेट्रोल की होने वाली चोरी को रोका जा सकता है। इसके लिए उन्हें ओ.पी. जिंदल युनिर्वसिटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और उन्होंने इस बार आईआईटी गुवाहटी में आयोजित इनोवेशन डिजाईन एंड इंट्राप्रेन्योरशिप बूटकैम्प कार्यक्रम में बच्चों के मॉडल्स की सभी ने सराहना की और बच्चों के मॉडल्स को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिए कलेक्टर ने बच्चों और शाला प्रबंधन को बधाई दी और उन्हें जिला प्रशासन की तरफ से ऐसे कार्यक्रमों के लिए हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए निरंतर ऐसे इनोवेटिव आईडियास पर कार्य करने कहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950